श्रावण कृष्ण - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 342 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 11-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस आपातकाल की सोच का समर्थन करती है : भाजपा

6 आतंकवाद में डिजिटल तकनीक का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

7 'स्टार किड्स' के लिए करो-या-मरो की स्थिति : काजोल

फर्स्ट टेक

शुभांशु शुक्ला 14 को धरती पर लौटेंगे

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 मिशन के चालक दल के तीन अन्य सदस्य 14 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार हैं। नासा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के मैनेजर स्टीव स्टिच ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम स्टेशन प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं और एक्सिओम-4 की प्रगति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। मुझे लगता है कि हमें उस मिशन को अनडॉक (अलग करना) करना होगा और इसका मौजूदा लक्ष्य 14 जुलाई है।

पटना हवाई अड्डे पर आग लगी

पटना/भाषा। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयरलाइन टिकट काउंटर के पास बृहस्पतिवार को मामूली आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में हवाई अड्डे को कोई नुकसान नहीं हुआ और न ही उड़ान संचालन बाधित हुआ। एक अधिकारी ने बताया, यह घटना गैस कटिंग से निकली चिंगारी के कारण हुई। ठेकेदार के एक कर्मचारी ने मौके पर मौजूद अग्निशामक यंत्रों का इस्तेमाल करके आग पर तुरंत काबू पा लिया।

एलआईसी में अल्पांश हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में और हिस्सेदारी बेचने पर काम कर रही है। विनिवेश विभाग इस लेन-देन की बारीकियों पर काम करेगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार के पास वर्तमान में एलआईसी में 96.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने बिक्री पेशकश (ओएफएस) मार्ग के माध्यम से एलआईसी में आगे शेयर बिक्री के लिए अपनी मंजूरी दे दी है और इस पर चर्चा अभी शुरुआती चरण में है।

बांग्लादेश में 330 दिनों में सांप्रदायिक हिंसा की 2442 घटनाएं

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में पिछले साल चार अगस्त 2024 को राजनीतिक अशांति के चरम पर पहुंचने और फलस्वरूप प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से 330 दिनों में सांप्रदायिक हिंसा की 2,442 घटनाएं हुईं। देश में अल्पसंख्यकों के हितों के लिए काम करने वाले एक संगठन ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया ।

11-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे | 12-07-2025 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE	NSE
83,190.28	25,355.25
(-345.80)	(-120.85)

सोना	चांदी
10,177 रु.	110,709 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदलाव का वक्त

वक्त है बदलाव का,
बदलें सभी व्यवहार को।
बदल डाले तंत्र में,
विस्तीर्ण भ्रष्टाचार को।
हो सके तो रोक दें,
अपराध की भरमार को।
लोग सच्चे हों सियासी,
चुने उन किरदार को।।

स्वदेश लौटे मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की आठ दिन की यात्रा संपन्न होने के बाद गुरुवार सुबह स्वदेश लौट आए। प्रधानमंत्री दो जुलाई को घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर रवाना हुए थे। यात्रा के अंतिम चरण में वह बुधवार को नामीबिया पहुंचे थे जहां उन्होंने नामीबियाई राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की। मोदी ने नामीबिया की संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को भी संबोधित किया। इससे पहले ब्राजील में उन्होंने 17 वें ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लिया और सदस्य देशों के सामने विभिन्न विषयों पर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट किया।

'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर फिलहाल रोक लगी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की कल होने वाली रिलीज पर बृहस्पतिवार को तब तक के लिए रोक लगा दी, जब तक केंद्र सरकार इस पर स्थायी प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर फैसला नहीं ले लेती। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की खंडपीठ ने याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे दो दिन के भीतर अपनी शिकायत केंद्र सरकार से करें। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने केंद्र सरकार से संपर्क करने का कोई रास्ता नहीं अपनाया है। पीठ ने कहा, ''हम यह प्रावधान करते हैं कि जब तक पुनर्विचार याचिका के साथ याचिकाकर्ता द्वारा अंतरिम राहत के लिए दायर आवेदन पर सरकार की ओर से फैसला नहीं हो जाता, तब तक फिल्म की रिलीज पर रोक रहेगी।''

भारतीय ज्ञान प्रणाली को योजनाबद्ध ढंग से दरकिनार किया गया : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को योजनाबद्ध ढंग से दरकिनार किए जाने तथा पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करने की आलोचना करते हुए कहा है कि यह मिटाने, नष्ट करने तथा विकृत करने की योजना के तहत किया गया और दुखद बात यह है कि आजादी के बाद भी यह सिलसिला चलता रहा।

धनखड़ ने गुरुवार को यहां भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पहले वार्षिक सम्मेलन में औपनिवेशिक मानसिकता से परे भारत की पहचान को पुनः स्थापित करते हुए कहा कि भारत केवल 20वीं सदी के मध्य में बना राजनीतिक राष्ट्र नहीं है, बल्कि यह चेतना, जिज्ञासा और ज्ञान की प्रवाहित नदी के रूप में एक सतत सभ्यता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय विचारों को केवल आदिम और पिछड़ेपन का प्रतीक मानकर खारिज करना केवल एक व्याख्यात्मक भूल नहीं थी। यह मिटाने, नष्ट करने और विकृत करने की योजना थी। इससे भी अधिक दुखद यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी यह चलता रहा।

उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को दी

बिहार में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण जारी रखने की अनुमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पीठ ने कहा, हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए।
- पीठ ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान आधार, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड पर दस्तावेज के तौर पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को जारी रखने की अनुमति देते हुए इसे ''संवैधानिक दायित्व'' बताया।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हालांकि, इस कवायद के समय पर सवाल उठाया और कहा कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर दस्तावेज के तौर पर विचार किया जा सकता है।

पीठ ने कहा, ''हमारा प्रथम दृष्टया मानना है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान आधार, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड पर दस्तावेज के तौर पर विचार किया जा सकता है।''

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 10 विपक्षी दलों के नेताओं सहित किसी भी याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। उसने संबंधित याचिकाओं पर जवाब मांगा और सुनवाई की अगली तारीख 28 जुलाई तय की। पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग 21 जुलाई तक इन याचिकाओं पर जवाबी हलफनामा दाखिल करे और इन पर प्रत्युत्तर 28 जुलाई तक दाखिल किए जाएं।

पीठ ने कहा कि उसे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और ईमानदारी पर संदेह नहीं है, क्योंकि यह एक संवैधानिक दायित्व है, लेकिन इस प्रक्रिया का समय संदेह पैदा कर रहा है।

न्यायालय ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा, ''हमें आपकी ईमानदारी पर संदेह नहीं है, लेकिन कुछ धारणाएं हैं। हम आपको रोकने के बारे में नहीं सोच रहे हैं क्योंकि यह एक संवैधानिक दायित्व है।'' द्विवेदी ने कहा कि 60 प्रतिशत मतदाताओं ने अपनी पहचान सत्यापित कर दी हैं और उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि किसी को भी अपनी बात रखने का अवसर दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। पीठ ने कहा, ''हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। साथ ही, हम उन्हें वह भी नहीं करने देंगे जो उन्हें नहीं करना चाहिए।''

आपातकाल 'काला अध्याय' था, 1977 के चुनाव में जनता ने इंदिरा की ज्यादतियों को नकारा : थरूर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल की आलोचना करते हुए कहा कि देश की जनता ने उस दौर की ज्यादतियों का स्पष्ट जवाब उनकी पार्टी को बड़े अंतर से हराकर सत्ता से बाहर करके दिया।

मलयालम दैनिक 'दीपिका' में बृहस्पतिवार को आपातकाल पर प्रकाशित एक लेख में कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य ने इसे भारत के इतिहास का 'काला अध्याय' बताया और इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी के कृत्यों को याद किया जिसमें जबरन नसबंदी अभियान एवं नई दिल्ली में झुग्गियों को बलपूर्वक गिराए जाने के मामले शामिल हैं।

थरूर ने कहा कि (पूर्व) प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को इन कठोर कार्रवाई का समर्थन करते हुए देखा गया था। उन्होंने इस मामले में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री की आलोचना की, जिन्हें नेहरू परिवार और कांग्रेस भारत की 'आयरन लेडी' मानती है।

विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. डी. सतीशन ने लेख पर उनके विचार पूछे जाने पर कहा कि केवल पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व ही इस पर टिप्पणी कर सकता है।

थरूर ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल के दौरान उठाए गए कदमों पर कहा कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए किए गए प्रयास अक्सर क्रूरतापूर्ण कृत्यों में बदल जाते हैं जिन्हें उचित नहीं ठहराया जा सकता।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा

स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश से होगा अगला दलाई लामा, चीन से नहीं

नई दिल्ली/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि अगला दलाई लामा एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश से होगा, चीन से नहीं। खांडू ने कहा कि दलाई लामा के चयन की प्रक्रिया किसी वर्तमान दलाई लामा के निधन के बाद ही शुरू होती है। साथ ही उन्होंने आशा जताई और प्रार्थना की कि 14वें दलाई लामा अगले 40 वर्षों तक जीवित रहें। खांडू ने मंगलवार को 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''जैसा मैंने कहा कि दलाई लामा का स्वास्थ्य बहुत अच्छा है और इस बार अपने 90वें जन्मदिन समारोह में दलाई लामा ने भी कहा कि वह लगभग 130 वर्ष तक जीवित रहेंगे। इसलिए हम सभी ऐसी प्रार्थना करते हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह 130 वर्ष तक जीवित रहेंगे।''

मुख्यमंत्री स्वयं दलाई लामा के अनुयायी हैं और बौद्ध समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। खांडू ने कहा कि उन्हें अगले दलाई लामा के चयन की प्रक्रिया, उसके तरीके या विवरण के बारे में जानकारी नहीं है लेकिन चयन की पूरी एक प्रक्रिया होती है। उन्होंने कहा, '' सभी नियम तय हैं, सभी प्रक्रियाएं तय हैं। इस बारे में अटकलें लगाने का कोई मतलब नहीं है।

रूस ने कीव पर और मिसाइल एवं ड्रोन दागे

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी पर बृहस्पतिवार रात को बड़े पैमाने पर फिर से मिसाइल एवं ड्रोन हमले किए जिससे शहर के कई इलाकों में आग लग जाने से दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे एक दिन पहले भी रूस ने यूक्रेन पर हवाई हमला किया था। यह तीन साल से जारी युद्ध के दौरान किया गया अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला था। कीव क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने दो लोगों की मौत होने की जानकारी देते हुए कहा, ''इन लोगों को रूसियों ने मारा। यह एक बहुत बड़ी क्षति है। मैं उनके परिवारों और प्रियजन के प्रति मेरी संवेदना व्यक्त करता हूं।''

ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े मामले में 29 अभिनेताओं, इन्फ्लुएंसर, यूट्यूबर पर ईडी ने मामला दर्ज किया

हैदराबाद/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ ऑनलाइन सट्टेबाजी मंचों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत तेलंगाना में कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर के अलावा विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबती एवं प्रकाश राज जैसे अभिनेताओं सहित 24 से अधिक मशहूर हस्तियों की भूमिका की जांच के लिए धनशोधन का मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इन माध्यमों से कथित तौर पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए करोड़ों रुपए की ''अवैध'' धनराशि अर्जित करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने के लिए पांच राज्यों की पुलिस की प्राथमिकियों का संज्ञान लिया है। सूत्रों ने बताया कि इन हस्तियों पर सेलिब्रिटी या एंडोर्समेंट शुल्क के बदले जंगली रमी, जीतविन, लोटस365 आदि जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप का ''प्रचार'' करने का संदेह है।

राजराजेश्वरीनगर में मनाया गया तेरापंथ स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ भवन में गुरुवार को तेरापंथ संघ का 266वां स्थापना दिवस मनाया गया। तेरापंथी सभा एवं तेयुप के सदस्यों ने 'हमारे भाग्य बड़े बलवान, मिला यह तेरापंथ महान' का संगान किया। इस मौके पर साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि तेरापंथ के पास नेतृत्व की कला, समर्पण का शौर्य, अनुशासन की शैली, विजय की परम्परा और आचार्य भिक्षु का अथक श्रम है। आचार्य भिक्षु का संकल्प फौलादी चट्टान की तरह था। साहस उनका कवच और ढ़ाल थी, पुरुषार्थ उनका विश्वास था। इसलिए पांव पांव चलकर भी वे अपने मुकाम तक पहुंच गए। उनकी सहिष्णु-चेतना जीवन भर अंधेरी गलियों को बुहारती रही ताकि आने वाली पीढ़ी कभी अपने लक्ष्य से भटक न जाए। आज जरूरी है सहिष्णु-चेतना जगाने की। हम परिस्थितियों के साथ समझौता न करें। उन्हें अपने लक्ष्य के अनुसार ढ़ाले, तभी जिंदगी को नई पहचान दे सकेंगे।

साध्वी विनीतयशा जी भाव प्रस्तुति दी तथा साध्वी वर्धमानयशा जी ने काव्य पाठ किया। तेरांपथ सभा के राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, तेमम की अध्यक्ष मंजु बोथरा, उपासिका हेमलता सुराणा ने भावाभिव्यक्ति दी।

महिला मंडल की सदस्याओं ने प्रश्नोत्तर शैली में रोचक काव्य द्वारा तेरापंथ की स्थापना एवं विशेषता को प्रतिपादित किया। तेरापंथ की धरोहर सभी 11 आचार्यों की विशिष्टताओं से सिंचित धर्मसंघ की घटनाओं का जिक्र करते हुए साध्वी बोधिप्रभा जी ने संचालन किया।

श्रीकृष्णा गौशाला में गौ गुणगान के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मातेश्वरी भक्त मंडल ट्रस्ट द्वारा श्रीकृष्णा गौ सेवा आश्रम गौशाला कन्नूर में गौशाला के प्रमुख संत पुखराजजी महाराज के सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर पूर्व विधायक अरविंद लिंबावली, मंजुला लिंबावली, महेंद्र मुणोत अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गायक कलाकार महावीर सांखला, राजू कुमावत, कैलाश पंवार ने भजनों की प्रस्तुति दी। संतश्री ने अपने प्रवचन में भक्तों को गौ सेवा से जुड़ने का आह्वान किया। मुणोत ने कहा, गुरु ने हमें ज्ञान एवं संस्कारों से पोषित किया। गुरु पूर्णिमा के पावन प्रसंग पर हम सच्चे मन से गुरु को नमन करते हुए मन में यह संकल्प करें हम उनके बताए रास्ते पर चलेंगे।

व्यापार को सुगम बनाने का काम जारी, राज्यों को इन्हें आगे बढ़ाने की जरूरतः नीति सदस्य

नई दिल्ली/ भाषा। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने बृहस्पतिवार को कहा कि कारोबार को सुगम बनाने का काम जारी है। उन्होंने राज्यों के भीतर नगरपालिका स्तर पर सुधारों की जरूरत भी बतायी। गौबा ने 'व्यापार सुगमता और निवेश प्रोत्साहन पर आयोजित कार्यशाला' को संबोधित करते हुए सभी राज्यों से जन विश्वास जैसे सुधारों को अपने खुद के हिसाब से लागू करने का आग्रह किया, जिसका उद्देश्य नियामकीय दखल को कम करना और व्यावसायिक भरोसे को बढ़ावा देना हो।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यों के स्तर पर निवेश और कारोबार सुगमता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण 7 प्रमुख सुधार क्षेत्रों पर विमर्श किया गया। इनमें छोटी गड़बड़ियों को अपराध की श्रेणी से हटाना, विनियमन व अनुपालन बोझ में कमी, व्यापार सुधार कार्ययोजना (बीआरएपी) का कार्यान्वयन, औद्योगिक बुनियादी ढांचे का विकास, एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली, वित्तीय और कराधान सुधार और निवेश प्रोत्साहन रणनीतियां शामिल थीं। कार्यशाला में छोटे व्यावसायिक अपराधों को नागरिक जुर्माने में तब्दील करने की जरूरत पर जोर दिया गया। उद्यमियों पर बोझ कम करने के लिए अनुपालन व्यवस्था को व्यवस्थित करने की भी बात कही। सत्र से महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह निकला कि दीर्घकालीन निवेशक भरोसा न केवल प्रवेश के समय सुविधा, बल्कि स्थापना के बाद निरंतर समर्थन पर निर्भर करता है।

महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक विधानसभा में पारित

फडणवीस ने दुरुपयोग नहीं होने का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा ने बृहस्पतिवार को विशेष जन सुरक्षा विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया, जिसका उद्देश्य ''अर्बन नक्सल'' पर ध्यान केंद्रित करते हुए वामपंथी उग्रवादी संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाना है।

गृह विभाग का भी प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक सदन में पेश किया। फडणवीस ने कहा कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों की संयुक्त प्रवर समिति द्वारा संशोधनों के साथ इसे मंजूरी दी गई थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस कानून का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। विपक्षी दलों ने विधेयक के कुछ पहलुओं पर आपत्ति जताई थी, जिसमें ''अर्बन नक्सल'' शब्द की व्यापक व्याख्या का दावा भी शामिल है। विधेयक को विधानपरिषद में पेश किया जाना अभी बाकी है। फडणवीस ने कहा कि राज्य और देश की सुरक्षा महत्वपूर्ण है तथा लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ काम करने वाले संगठनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना समय की मांग है। उन्होंने कहा, ''शक्ति का दुरुपयोग नहीं होगा। यह एक संतुलित कानून है तथा तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और झारखंड में लागू कानूनों से कहीं अधिक प्रगतिशील है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त प्रवर समिति के किसी भी सदस्य ने विधेयक के खिलाफ कोई असहमति नहीं व्यक्त की। विधेयक पेश करते हुए, फडणवीस ने कहा कि इसका अंतिम मसौदा तैयार करते समय लोगों से प्राप्त 12,500 से अधिक सुझावों पर विचार किया गया। विधेयक में एक 'सलाहकार बोर्ड' का प्रावधान किया गया है, जिसके अध्यक्ष उच्च न्यायालय के सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायाधीश होंगे तथा एक सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश और उच्च न्यायालय का एक सरकारी वकील इसके सदस्य होंगे। इस कानून के तहत दर्ज अपराधों की जांच पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) से निम्न स्तर के अधिकारी द्वारा नहीं की जाएगी।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में गुरु पूर्णिमा एवं तेरापंथ स्थापना दिवस का आयोजन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा एवं 266 वां तेरापंथ स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरु के महत्व को उजागर करते हुए मुनिश्री ने कहा, गुरु का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु बिना घोर अंधकार। जीवन में अज्ञानरूपी अंधकार को दूर करने वाले गुरु होते हैं। गुरु ही जीवन का आधार होते हैं। गुरु शिष्य को सत्कर्म और असत्कर्म का भेद बताने वाले होते हैं। गुरु का मार्गदर्शन जीवन को उन्नत और संस्कार वान बनाने में अहम भूमिका निभाता है। मुनिश्री ने 266 वें तेरापंथ स्थापना दिवस के सदंर्भ में कहा कि जैन धर्म में तेरापंथ समुदाय की अलग ही पहचान है, इसके मानवता परक कार्य दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। आचार्य भिक्षु इसके संस्थापक रहे हैं। आचार्य भिक्षु ने तेले की तपस्या के साथ इसकी स्थापना राजस्थान के केलवा ग्राम अंधेरी ओरी में की थी। उस समय की धार्मिक और सामाजिक विषमताओं को दूर करने का प्रयास किया था। आज के दिन हम गुरु को नमन करें, गुरु की स्मृति करें, गुरु का गुणगान करें और गुरु के साहित्य का पठन करने का संकल्प करें। मुनिश्री ने तेले की तपस्या का अनेक श्रावक श्राविकाओं को प्रत्याख्यान करवाया। मुनि श्री आदित्य कुमार जी ने गीतिका का संगान किया। तेरापंथ महिला मंडल की सदस्याओं व बहादुर सेठिया ने गीतिका की प्रस्तुति दी।

सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी कार्यक्रम की सूचना दी। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष श्री पारसमल भंसाली,प्रकाश लोढ़ा, महिला मण्डल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। महिला मण्डल की मंत्री विजेता रायसोनी ने संचालन किया।

केजीएफ में गुरु पूर्णिमा व तेरापंथ स्थापना दिवस मनाय गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। शहर के तेरापंथ भवन में गुरुवार को साध्वी पावनप्रभाजी की निश्रा में गुरु पूर्णिमा व तेरापंथ स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। साध्वी पावनप्रभाजी ने कहा कि पूर्णिमा का चन्द्र सभी कलाओं से युक्त होता है व पूर्णिमा अपने आप में पूर्ण तिथि के रूप में मानी जाती है इसलिए तेरापंथ की नींव भी ऐसी पूर्ण तिथि पर रखी गई है। तेरापंथ धर्म संघ की भूमि में ज्ञानी, ध्यानी, तपस्वी, सेवाभावी, तत्वज्ञ साधनातीर्थ, कलात्मक जैसे यशस्वी व्यक्तियों की फसलें उगती हैं। तेरापंथ संघ एक अगाध समुद्र है जिसमें हर सीप में मोती बनता है। तेरापंथ संघ एक दर्पण है जिसमें हर व्यक्ति आत्मदर्शन कर सकता है। तेरापंथ धर्म संघ आचार्य भिक्षु की धर्म क्रान्ति है।

साध्वी आत्मयशाजी ने कहा कि गुरु वह होता है जो समस्त जगत के अंधकार को दूर कर उजाला फैलाता है। गुरु नर के रुप में साक्षात नारायण होते है। गुरु के वज्ररुपी घात से मोह रूपी अंधकार का नाश हो जाता है। जैसे सूर्य की किरणों से रात्रि का अंधकार समाप्त हो जाता है वैसे ही गुरु की कृपा से शिष्य का कल्याण हो जाता है। हमें गुरु भिक्षु के गुणों को आत्मसात करते हुए अपना विकास करना चाहिए। साध्वी रम्यप्रभाजी ने कविता के माध्यम से तेरापंथ की महिमा का गुणगान किया।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के लिए भारत को निर्यात बढ़ाना होगाः ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बंदरगाह, पोत परिवहन और एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के लिए अपने निर्यात को बढ़ाना होगा और इसमें पोत परिवहन एवं जलमार्ग क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ठाकुर ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रत्येक क्षेत्र के विकास पर समान एवं संतुलित ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि भारतीय उत्पादों का मूल्य बढ़ाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक राज्य से दूसरे राज्य तक माल परिवहन में लगने वाले समय को कम करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पोत परिवहन और लॉजिस्टिक क्षेत्र के गहन विकास के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग अनिवार्य है।

पोत परिवहन के माध्यम से 70 प्रतिशत व्यापार किए जाने का जिक्र करते हुए ठाकुर ने पोत परिवहन उद्योग के व्यापक विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री ने देश में पूर्वोत्तर से लेकर उत्तर-पश्चिम तक एक मजबूत संपर्क अवसंरचना स्थापित करने के लिए संचार प्रणालियों में सुधार की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इससे अंतिम छोर तक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित हो सकेगा।

'संसारी मोह का त्याग कर आत्मलक्षी बनने का समय है चातुर्मास'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवर जी की निश्रा में गुरुवार को चातुर्मास आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन साध्वी अणिमाश्री जी ने कहा कि चातुर्मासिक साधना आराधना श्रावक एवं साधु सभी के लिए आवश्यक है। हमें सिद्धों के देश में जाना है इसलिए साधु का वेश पहनना जरूरी है। सर्वप्रथम व्रतधारी श्रावक बनना है। साध्वी दिव्ययशा जी ने कहा कि साधु के 10 कल्प है, चातुर्मास का 1 कल्प है ।

चातुर्मास का चारों तीर्थों के लिए आगमन हुआ है। आध्यात्मिक साधना आराधना हेतु वर्षा ऋतु अर्थात वर्षावास का आगमन होता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह पत्थर छैनी की मार सहता है, तब मूर्ति का आकर ग्रहण करता है। लकड़ी के काटने पर ही सुंदर सा फर्नीचर बनता है, उसी तरह आज का इंसान बाहर की दौड़ समाप्त कर भीतर में आत्मलक्ष्मी बन जाता है। जब तक व्यक्ति का घर परिवार का, पैसों का मोह नहीं छूटता है तब तक वह धर्माराधना से नहीं जुड़ता है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि प्रवचन में शहर के अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे।

उदयपुर फाइल्स मामले में कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि उसने फिल्म उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल टेलर मर्डर के प्रदर्शन के खिलाफ याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार करते समय कोई लिखित आदेश पारित नहीं किया था।

आरोपी मोहम्मद जावेद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा है कि पीठ की टिप्पणी फिल्म को रिलीज होने दीजिए के कारण भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। इसके बाद न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ की ओर से यह स्पष्टीकरण आया है। सिब्बल द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने पर पीठ ने कहा कि उसने वास्तव में यह टिप्पणी की थी, लेकिन कोई लिखित आदेश पारित नहीं किया गया था और अदालत ने तत्काल सुनवाई के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। सिब्बल ने कहा कि 11 जुलाई को फिल्म की रिलीज निर्धारित होने के कारण आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पक्षपातपूर्ण हो जाएगा। उन्होंने पीठ को बताया कि इस मामले में उच्च न्यायलय का रुख किया गया, जिसने उनसे कहा है कि वे नौ जुलाई के आदेश पर स्पष्टीकरण मांगे। उन्होंने कहा, याचिका पर सुनवाई नहीं हुई है और अदालत की मौखिक टिप्पणी से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है।

एक ओर न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि फिल्म नहीं दिखाई जानी चाहिए, तो दूसरी ओर न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा कि न्यायालय ने केवल यह कहा था कि वह तत्काल सुनवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए।

हिंदुस्तान यूनीलिवर लि. की सीईओ, प्रबंध निदेशक बनीं प्रिया नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने प्रिया नायर को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है।

कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह नियुक्ति एक अगस्त, 2025 से पांच साल के लिए प्रभावी रहेगी।

नायर फिलहाल यूनिलीवर के 'सौंदर्य एवं वेलनेस' विभाग की अध्यक्ष हैं। रोजमर्रा के घरेलू उत्पाद (एफएमसीजी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने बयान में कहा कि वह रोहित जावा की जगह लेंगी, जिनका कार्यकाल 31 जुलाई, 2025 तक है।

इसमें कहा गया है कि नायर एचयूएल के निदेशक मंडल में भी शामिल होंगी और यूनिलीवर लीडरशिप एक्जिक्यूटिव (यूएलई) की सदस्य बनी रहेंगी। एचयूएल के चेयरमैन नितिन परांजपे ने कहा, प्रिया का एचयूएल और यूनिलीवर में शानदार करियर रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय बाज़ार की गहरी समझ और बेहतरीन 'ट्रेक रिकॉर्ड' के साथ, प्रिया एचयूएल को प्रदर्शन के अगले स्तर पर ले जाएंगी।

कांवड़ियों की सुविधा के लिए हर 10 मिनट पर उपलब्ध रहेगी नमो भारत ट्रेन

नई दिल्ली/ भाषा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि 11 जुलाई को सावन के महीने की शुरुआत से दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाएंगे। एनसीआरटीसी ने एक बयान में कहा कि यात्रियों के आवागमन में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ स्टेशनों के बीच सुबह 8 बजे से 11 बजे तक और शाम पांच बजे से आठ बजे तक 15 मिनट की जगह हर 10 मिनट में ट्रेन उपलब्ध रहेगी। बयान में कहा गया है कि कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों तीर्थयात्री हरिद्वार में गंगा नदी से जल लाने के लिए लंबी दूरी तय करते हैं।

महाराष्ट्र विधान परिषद में मंत्री देसाई की शिवसेना (उबाठा) नेता के साथ नोकझोंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री शम्भूराज देसाई को विधान परिषद में ''गद्दार'' कहे जाने के बाद, बृहस्पतिवार को सदन में शिवसेना (उबाठा) नेता अनिल परब के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई और सदन की कार्यवाही संक्षिप्त अवधि के लिए स्थगित करनी पड़ी।

नवनिर्मित हाउसिंग सोसाइटियों में 50 प्रतिशत आवास मराठी लोगों के लिए आरक्षित करने के विषय पर सदन में चर्चा के दौरान तीखी बहस हुई। विधान परिषद की उप सभापति नीलम गोरहे ने बाद में कहा कि दोनों नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाएगा।

प्रश्नकाल के दौरान, शिवसेना (उबाठा) के मिलिंद नार्वेकर ने प्रश्न पूछा कि क्या एक सामाजिक संगठन ने शहर में 50 प्रतिशत आवासीय इकाइयां मराठी लोगों के लिए आरक्षित करने की मांग की है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सरकार ने इस पर कोई सकारात्मक निर्णय लिया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लिखित जवाब में यह जानकारी दी कि विभाग को सामाजिक संगठन से ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है। शिंदे के पास आवास विभाग का भी प्रभार है।

सदन की मनोनीत सदस्य और भाजपा नेता चित्रा वाघ ने कहा कि 50 प्रतिशत आवासीय इकाइयां मराठी लोगों के लिए आरक्षित करना उचित है। उन्होंने पूछा कि क्या उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री रहने के दौरान ऐसा कोई प्रस्ताव था। इस पर, शिंदे की ओर से जवाब दे रहे मंत्री देसाई ने कहा कि ठाकरे नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) के सत्ता में रहने के दौरान ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं था। उन्होंने कहा, ''मुंबई, इसके उपनगरों या महाराष्ट्र में मराठी मानुष की अनदेखी करने का अधिकार किसी को नहीं है। यदि कोई बिल्डर ऐसा करता है तो सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी।''

दुनिया में सबसे तेज भुगतान भारत में, यूपीआई को श्रेय : आईएमएफ लेख

नई दिल्ली/भाषा। भारत अब किसी भी अन्य देश की तुलना में तेज़ भुगतान करता है और इसका 'श्रेय एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) को जाता है।' अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक लेख में यह जानकारी देते हुए बताया है कि भारत मे डेबिट और क्रेडिट कार्ड सहित अन्य साधनों का उपयोग घट रहा है।

यूपीआई एक त्वरित भुगतान प्रणाली है जिसे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से अंतर-बैंक लेनदेन की सुविधा के लिए विकसित किया गया है।

आईएमएफ के वित्तीय प्रौद्योगिकी लेख 'बढ़ते खुदरा डिजिटल भुगतान: इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्य' में कहा गया है कि 2016 में पेश होने के बाद से यूपीआई का तेज़ी से विकास हुआ है, जबकि नकदी के उपयोग के लिए कुछ खंडों में गिरावट शुरू हो गई है। यूपीआई अब प्रति माह 18 अरब से अधिक लेनदेन संसाधित करता है और भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों पर हावी है।

ईडी के छापे के बाद प्रोबो ने कहा

हम धनशोधन जांच में कर रहे हैं 'सहयोग'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन मंच 'प्रोबो' ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ सहयोग कर रहा है, जिसने हाल में सट्टेबाजी से जुड़े एक अवैध धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में उसके परिसरों पर छापेमारी की थी।

प्रोबो ने कहा कि वह जरूरी कानूनों एवं विनियमों का पालन करता है। निदेशालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि उसने हरियाणा स्थित 'प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' की 284 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की सावधि जमा (की निकासी) और शेयर के विनिमय पर रोक लगा दी है क्योंकि वह एवं उसके प्रवर्तक इंटरनेट-आधारित मंच के माध्यम से 'जुआ/सट्टेबाजी' की गतिविधियां चला रहे थे। यह कंपनी प्रोबो नाम से एक मोबाइल ऐप और एक वेबसाइट संचालित करती थी।

प्रोबो के प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक बयान कहा, ''हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर, हम सभी हितधारकों और जनता को आश्वस्त करना चाहते हैं कि प्रोबो मौजूदा जांच में कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही है।'' प्रवक्ता ने कहा, ''भारत के डिजिटल परिदृश्य में एक प्रारंभिक-परंतु-परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी अग्रदूत के रूप में, हमें विश्वास है कि अनुपालन और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें इस प्रक्रिया में और मजबूती से उभरने में मदद करेगी।'' उन्होंने कहा कि कंपनी को 'भारत के मज़बूत नियामक ढांचे और जिम्मेदार तकनीकी नवाचार के उसके दृष्टिकोण पर पूरा भरोसा है।'' धनशोधन का यह मामला कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ हरियाणा के गुरुग्राम और पलवल तथा उत्तर प्रदेश के आगरा में दर्ज कई पुलिस प्राथमिकियों पर आधारित है। ईडी ने इस सप्ताह के आरंभ में हरियाणा के गुरुग्राम और जींद में कंपनी और उसके प्रवर्तकों-- सचिन सुभाषचंद्र गुप्ता और आशीष गर्ग के चार ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसी ने कहा कि शिकायतकर्ताओं ने पुलिस को बताया कि उनके साथ 'ठगी' हुई है और उन्हें 'बेईमानी' तरीके से 'हां या ना' जैसे आसान सवालों के ज़रिए पैसा कमाने की योजना पेश की गई, जबकि असल में यह योजना खिलाड़ियों को ज़्यादा रिटर्न की उम्मीद में ज़्यादा निवेश करने का लालच देकर 'जुआ' को बढ़ावा देती है।

उसने आरोप लगाया कि प्रोबो मंच पर उपलब्ध खेलों के विश्लेषण से पता चलता है कि उनका उत्तर 'हां या नहीं' में दिया जा सकता है और इसलिए, केवल दो संभावित परिणाम हैं जो इसे जुए/सट्टेबाजी से 'अविभेद्य' बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप उपयोगकर्ताओं की मेहनत की कमाई का 'नुकसान' होता है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया गुरुवार को बेंगलूरु के टाउन हॉल में जीडीएस सम्मेलन (ग्रामीण डाक सेवक) के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए।

विश्व में वितरण का कोई भी अन्य माध्यम भारतीय डाक जितना व्यापक नहीं : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया में वितरण का कोई भी अन्य माध्यम भारतीय डाक जितना व्यापक या गहराई तक फैला नहीं है। सिंधिया ने डाक कर्मचारियों से वस्तुओं को लाने-ले जाने की सुविधा मुहैया कराने वाला (लॉजिस्टिक) दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बनने दिशा में काम करने का भी आग्रह किया।

उन्होंने बेंगलूरु के के.पी. पुत्तन चेट्टी टाउन हॉल में ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''भारतीय डाक विभाग के कश्मीर से कन्याकुमारी और भरूच से तवांग तक 1.64 लाख कार्यालय हैं।'' केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि हालांकि डाकघरों में हाथ में पकड़े जा सकने वाले उपकरणों समेत आधुनिक उपकरण और दर्पण (नए भारत के लिए ग्रामीण डाकघरों का डिजिटल उन्नयन) जैसी परियोजनाएं हैं लेकिन डाक कर्मचारियों को वास्तविक बदलाव लाने के लिए अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ''आज, हमारे पास दुनिया का सबसे बड़ा 'लॉजिस्टिक' संगठन बनने की क्षमता है। हमारे अलावा किसी और के पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त मानव संसाधन नहीं हैं लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अग्रणी रहें। इसका मतलब है कि हमें नवोन्मेष करने की जरूरत है। हमें उत्पादकता के बारे में सोचना होगा।''

मंत्री ने यह भी कहा कि समय के साथ चलने के लिए डाकघर को ग्राहकों के लिए नए उत्पाद पेश करने होंगे। उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए, अब हम म्यूचुअल फंड कंपनियों के लिए केवाईसी करने का काम शुरू कर रहे हैं।'' सिंधिया ने कहा कि भारतीय डाक ग्राहक-केंद्रित संगठन तभी बन सकता है जब 2,74,000 कर्मचारियों में से प्रत्येक समान समर्पण, जुनून और उत्साह के साथ काम करें। उन्होंने भरोसा दिया कि भारतीय डाक को अपने डाकघरों में बदलाव करने के लिए पर्याप्त पूंजीगत व्यय प्राप्त होगा। मंत्री ने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे डाकघरों में बदलाव के लिए आवश्यक कार्य सुनिश्चित करें।

सिंधिया ने कहा, हम सेवा-संचालित बनने जा रहे हैं, और हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि हम स्वयं को भार के बदले भारत सरकार के लिए लाभ के केंद्र में परिवर्तित कर लें। सिंधिया ने कहा कि जब तक डाकघर आम आदमी के लिए दुनिया की खिड़की नहीं बन जाते, तब तक वह चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा, हमारे देश के नागरिक को जो कुछ भी चाहिए, जिसकी उसे ज़रूरत है, जो भी चाहिए, वह सब हमारे डाकघरों में होना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान, कर्नाटक के 15 डाक सेवकों को उनकी उत्कृष्ट सेवा और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। मंत्री के मुताबिक ग्रामीण डाक सेवक कोई नौकरी नहीं करता। उन्होंने उस समय को याद किया जब वे बोर्डिंग स्कूल में थे और अपने परिवार के पत्रों का बेसब्री से इंतज़ार करते थे। सिंधिया ने कहा, ''मेरा ग्रामीण डाक सेवक एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पत्र के रूप में भावना पहुंचाता है - आप इसका मौद्रिक मूल्य नहीं लगा सकते।''

हासन में युवाओं में हृदय संबंधी मौतों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

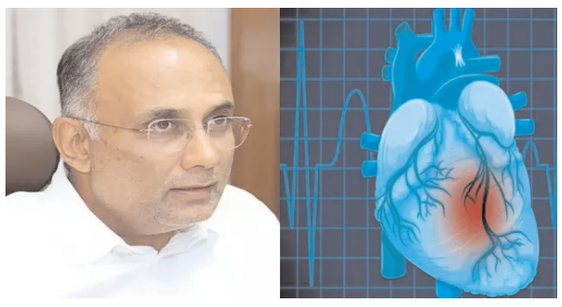

बेंगलूरु। कर्नाटक के हासन जिले में जब युवाओं को दिल का दौरा पड़ने से अचानक उनकी मौत होने के हालिया मामलों का विश्लेषण किया गया, तो इनकी संख्या में कोई असामान्य वृद्धि नहीं पाई गई। राज्य सरकार को बृहस्पतिवार को सौंपी गई एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। पिछले छह महीनों में श्री जयदेव हृदय रोग विज्ञान संस्थान और मैसूर तथा कलबुर्गी स्थित इसके परिधीय केंद्रों में हृदय संबंधी मामलों से जुड़े आंकड़ों के विश्लेषण से भी दिल के दौरे से होने वाली मौतों की दर में वृद्धि का कोई रुझान सामने नहीं आया।

मीडिया में हासन में दिल के दौरे से युवाओं की मौत के मामलों में वृद्धि होने से संबंधित खबरें आने और इसे लेकर लोगों की चिंताएं बढ़ने के बीच स्थिति की जांच के आदेश दिए गए थे।

जिले में मई और जून 2025 के बीच दर्ज की गई 24 मौतों में से प्रत्येक की जांच के लिए एक समिति गठित की गई थी। मृतकों की उम्र 14 से 45 साल के बीच थी। जयदेव संस्थान के निदेशक डॉ. केएस रवींद्रनाथ ने कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव को हासन जिले में युवाओं की अचानक मौत होने के मामलों में वृद्धि पर जांच रिपोर्ट सौंपी। राव ने बृहस्पतिवार को मीडिया से जांच के निष्कर्ष साझा किए। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि जांच में हाल के महीनों में दिल के दौरे के मामलों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा, इसमें भारी वृद्धि नहीं हुई है। 75 फीसदी मामलों में मौत के कारणों का पता लगाया जा सका। बाकी 25 प्रतिशत मामलों में कारण अज्ञात हैं। राव ने कहा कि सभी मामलों में पोस्टमॉर्टम न होने से संपूर्ण आंकड़े उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में 19 से 43 साल की उम्र के सात लोगों की अचानक मौत हो गई। मंत्री ने कहा, 19, 21, 23 और 32 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की अचानक मौत हुई, जो चिंताजनक है। अचानक मौत के 20 मामलों में सात मृतकों की उम्र 45 साल से कम थी, जिस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

राव ने कहा कि इन सात मृतकों में से चार के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपलब्ध थी और उनमें मौत के पीछे 'हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया' का हाथ होने के संकेत मिले, जो एक आनुवंशिक स्थिति है, जिसका पता जांच के जरिये लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में सिगरेट और शराब की लत को असामयिक मौत के लिए जिम्मेदार पाया गया।

नई दिल्ली में गुरुवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या नई दिल्ली में 'मिस यूनिवर्स कर्नाटक 2025' की विजेता वामशी उदय से मुलाकात करते हुए।

सरकारी अस्पताल में नवजात शिशु को चुराने का प्रयास विफल, एक संदिग्ध हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर। रायचूर के सरकारी अस्पताल से एक नवजात शिशु को कथित तौर पर चुराने के प्रयास को सतर्क परिचारकों और आगंतुकों ने विफल कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुछ व्यक्तियों का समूह बुधवार तड़के रायचूर आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में घुस गया और इस तथ्य का फायदा उठाते हुए चौथी मंजिल पर स्थित प्रसूति वार्ड को निशाना बनाया कि अधिकांश परिचारिकाएं सो रही थीं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में घुसे व्यक्ति कथित तौर पर साड़ी पहने हुए थे।

पुलिस ने बताया कि एक संदिग्ध ने नवजात शिशु को चुराने की कोशिश की, लेकिन आस-पास मौजूद लोगों को शक हुआ और उन्होंने हस्तक्षेप किया। उन्होंने बताया कि महिला के वेश में आए इस व्यक्ति को हाथापाई के बाद पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि नवजात को चुराने की कोशिश करने वाले समूह में दो अन्य लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं, लेकिन वे मौके से भाग गये। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने होमगार्ड कर्मियों की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त की, जो घटना के समय ड्यूटी पर नहीं थे।

सड़क दुर्घटना में उत्तरप्रदेश मूल के छात्र की मौत

बेंगलूरु। सड़क दुर्घटना में एक छात्र की मौत हो गई। चिक्कबानावार थाना क्षेत्र में गुरुवार को सुबह सप्तगिरि कॉलेज के पास यह दुर्घटना हुई। बीटेक के तीसरे वर्ष का छात्र लखनऊ निवासी शिव यादव (23) दोपहिया वाहन से जा रहे थे कि रास्ते में उनका वाहन स्लिप होगया। जिसमें वह बुरी तरह गिर गए और उनकी मौत हो गई।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर परमेश्वर ने कहा- कांग्रेस आलाकमान करेगा निर्णय

बेंगलूरु। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी आलाकमान सब देख रहा है और समय आने वह निर्णय करेगा।

प्रदेश में संभावित नेतृत्व परिवर्तन और कुछ पार्टी नेताओं एवं विधायकों के सार्वजनिक बयानों के बारे में एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने स्वीकार किया कि वास्तव में 'नाटक' हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ''इसपर टिप्पणी करके उनकी एक और नाटक कंपनी खोलने की इच्छा नहीं है।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''जैसा कि आप (मीडियाकर्मियों) ने कहा, एक नाटक जारी है। इस (नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे) पर न तो बार-बार चर्चा होनी चाहिए और न ही बयानबाजी। प्रशासन में कोई समस्या नहीं है, यह सुचारू रूप से चल रहा है और मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) प्रभावी रूप से इसका संचालन कर रहे हैं। मैं एक और नाटक कंपनी (बयान देने से) नहीं खोलना चाहता।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि उन्हें पद से हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इस तरह के किसी भी कदम से साफ इनकार किया है।

सिद्दरामय्या ने यहां पत्रकारों से कहा, सुरजेवाला ने स्पष्ट रूप से कहा है कि नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं हो रहा है। नेतृत्व का मुद्दा चर्चा में नहीं है। जब उन्होंने ऐसा कहा है तो अटकलें क्यों लगाई जा रही हैं? वह (सुरजेवाला) कर्नाटक के पार्टी प्रभारी हैं और जब उन्होंने कहा कि कोई अटकलें नहीं लगानी चाहिए, तब भी मीडिया अटकलें लगा रहा है। पार्टी के भीतर इस बारे में कोई चर्चा नहीं हो रही है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी आलाकमान का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होगा। ढाई-ढाई साल तक बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद की संभावित व्यवस्था के बारे में पूछे गए सवालों पर सिद्दरामय्या ने कहा, ''जब सरकार ढाई साल पूरे कर रही है तो ऐसे मुद्दे उठाना स्वाभाविक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसा कोई समझौता हुआ था। अगर ऐसा कोई समझौता हुआ होता, तो मैं हाल में यह नहीं कहता कि मैं पांच साल तक मुख्यमंत्री रहूंगा।'' कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद, सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद संभालने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, दोनों नेताओं ने इस तरह का कोई समझौता होने की बात से सार्वजनिक रूप से इनकार किया है।

सिद्दरामय्या ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि उनके पद पर रहते हुए ऐसी अफवाह क्यों फैली। उन्होंने कहा, ''क्या अभी मुख्यमंत्री का पद रिक्त है? फिर ऐसी अटकलें क्यों लगाई जा रही हैं? अगर कोई निजी राय व्यक्त करता है, तो क्या वह पार्टी का फैसला हो सकता है? खरगे (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे) और राहुल गांधी को इस बारे में बात करनी चाहिए।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें इस मामले पर किसी भी चर्चा के लिए आमंत्रित नहीं किया है, लेकिन वह शाम को सुरजेवाला से मिलने वाले हैं। मंत्रिमंडल में फेरबदल पर उन्होंने कहा, नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल पर कोई चर्चा नहीं हुई है। डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) ने खुद कहा है कि मुख्यमंत्री पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है।

सिद्दरामय्या ने अपनी सरकार की नीतियों का बचाव करते हुए कहा, ''सरकार ने दलितों के उत्थान के लिए कार्यक्रमों पर काफी विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिए हैं।''

विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी पर ईडी का शिकंजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्नाटक के विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों के खिलाफ विदेशी संपत्तियों को कथित तौर पर छुपाने को लेकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (एफईएमए) की धारा 37 के तहत ईडी ने बेंगलूरु के 5 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की।

विधायक सुब्बा रेड्डी के आवास, उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठान और करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी तलाशी अभियान चला रही है। यह छापेमारी कथित तौर पर उनके और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा विदेशों में अघोषित संपत्ति रखने और अवैध निवेश के आरोपों के आधार पर की जा रही है। ईडी के मुताबिक, एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों पर विदेशी खातों में भारी राशि जमा कराने समेत मलेशिया, हांगकांग और जर्मनी में अचल संपत्तियों में निवेश करने के आरोप हैं। कथित तौर पर इन संपत्तियों और निवेशों को भारतीय अधिकारियों से छुपाया गया, जो फेमा कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। ईडी उनकी अवैध विदेशी संपत्ति की जांच कर रही है।

कर्नाटक के अलावा, हरियाणा में भी ईडी की टीमें सक्रिय हैं। ईडी ने हरियाणा में प्रोबो ऐप संचालित करने वाली कंपनी पर शिकंजा कसते हुए 284 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज कर दी है। गुरुग्राम और जिंद में ईडी ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और इसके प्रमोटर्स सचिन सुभाषचंद्र गुप्ता और आशीष गर्ग के ठिकानों पर छापेमारी की। पीएमएलए के तहत यह कार्रवाई की गई। ईडी की जांच का मुख्य उद्देश्य कंपनी की ऐप और वेबसाइट प्रोबो के माध्यम से पूरे भारत में चल रही अवैध सट्टेबाजी और जुए की गतिविधियों पर अंकुश लगाना है।

गौरतलब है कि प्रोबो ऐप और वेबसाइट को ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह लोगों को 'हां या ना' जैसे सवालों पर पैसे लगाने के लिए प्रेरित करता है, जो जुए और सट्टेबाजी का एक रूप है।

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें साधारण सवालों के जवाब देकर पैसे कमाने का प्रलोभन दिया गया, लेकिन यह वास्तव में एक सट्टेबाजी योजना थी। इस स्कीम में लोग अधिक मुनाफे की उम्मीद में बार-बार पैसे लगाते रहे और अंततः अपनी रकम गंवा बैठे।

महिलाओं के अश्लील वीडियो पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु। सोशल मीडिया पर महिलाओं की अश्लील तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करने के आरोप में 26 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि सरकार ऐसे कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

पुलिस ने कहा कि आरोपी की पहचान गुरदीप सिंह के रूप में हुई है, जो बेंगलूरु के केआर पुरम से होटल प्रबंधन की पढ़ाई कर चुका है। बनशंकरी पुलिस ने एक छात्रा की शिकायत के बाद सिंह को गिरफ्तार किया था। छात्रा ने आरोप लगाया था कि अनुचित तरीके से और सहमति के बिना रिकॉर्ड किया गया उसका एक वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किया गया था। पुलिस ने बताया कि बाद में यह वीडियो वायरल हो गया, जिसके कारण लड़की को अन्य लोग परेशान करने लगे।

पुलिस उपायुक्त लोकेश जगलासर ने कहा कि आरोपी फिलहाल बेरोजगार है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्हें इससे गहरा दुख हुआ है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हाल के दिनों में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं और हमारी सरकार ने तत्काल कार्रवाई की है। अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। हम ऐसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। उन्होंने समाज से आत्मचिंतन करने का आह्वान किया। सिद्दरामय्या ने कहा कि अगर महिलाएं बिना किसी डर के स्वतंत्र रूप से नहीं घूम सकतीं, तो हमें सोचना चाहिए कि समाज किस दिशा में जा रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे कृत्य न केवल अपराध हैं, बल्कि उन मूल्यों के साथ भी विश्वासघात के समान हैं जिन्हें हम एक समाज के रूप में मानते हैं। सिद्दरामय्या ने राज्य की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, हम आपके साथ हैं। आपकी सुरक्षा और सम्मान हमारी प्राथमिकता है। ऐसे अपराधों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने लोगों से ऐसे किसी भी वीडियो या अकाउंट की सूचना साइबर अपराध प्रकोष्ठ को देने का आग्रह किया। सिद्दरामय्या ने कहा, आइए हम मिलकर एक ऐसा कर्नाटक बनाएं जहां हर महिला सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करे।

आईटीआई लिमिटेड को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने की रणनीति पर काम कर रही है सरकार : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज (आईटीआई) लिमिटेड को वित्तीय रूप से और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए रणनीतियों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय आईटीआई लिमिटेड को एक स्थायी उद्यम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिंधिया ने यहां सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईटीआई लिमिटेड का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, आईटीआई एक ऐसा संस्थान है जिसने हमारे देश में दूरसंचार क्रांति में अभूतपूर्व योगदान दिया है। रोटरी और पुश-बटन डायल फ़ोन बनाने से लेकर प्रमुख दूरसंचार उपकरण, रेडियो एक्सेस नेटवर्क, राउटर और पीसीबी बोर्ड बनाने तक, आईटीआई ने जो अनुकूलन और प्रौद्योगिकी प्रगति की है, वह उल्लेखनीय रही है। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने कंपनी के अधिकारियों के साथ भी बैठक की।

सिंधिया ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दूरसंचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आईटीआई और भी अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, क्योंकि यह क्षेत्र तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या मंत्रालय आईटीआई की प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षमताओं के आधुनिकीकरण में सहायता कर रहा है, सिंधिया ने कहा, हां। मेरा मानना है कि आईटीआई के प्रबंधन को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, मंत्रालय की ज़िम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि संगठन टिकाऊ हो। इस समय, हम आईटीआई को वित्तीय रूप से और मज़बूत बनाने के लिए कई रणनीतियों पर काम कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि समग्र सरकारी दृष्टिकोण इसे हासिल करने में मददगार साबित होगा।

तावरेकेरे में नाबालिग की हत्या, जांच जारी

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु दक्षिण जिले में 14 वर्षीय लड़की की उसके घर में कथित रूप से हत्या कर दी गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन छठी कक्षा की छात्रा तावरेकरे कस्बे में स्कूल से आने के बाद अपने घर पर ही रुकी थी। पुलिस ने बताया कि उसके माता-पिता कोप्पल में दिहाड़ी मजदूर हैं। उन्होंने बताया कि घटना के समय वे एक निर्माण स्थल पर गए थे।

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका, नई दिल्ली-110067

शुद्धिपत्र

समाचार पत्र में प्रकाशित निदेशक, एनआईएचएफडब्ल्यू, पद की रिक्ति सूचना संख्या. ए-12043/3/2024-प्रशा.-I दिनांक 05.04.2025 के संदर्भ मे सूचित किया जाता है की आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 18.07.2025 (शुक्रवार) बढ़ा दी गई है।

cbc17153/12/0005/2526 निदेशक, एनआईएचएफडब्ल्यू

मुख्यमंत्री ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर संत-महात्माओं का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरूवार को डीग के पूंछरी का लौठा में श्रीनाथ जी मंदिर में पंचामृत से अभिषेक किया। उन्होंने सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में संत-महात्माओं का गुरु पूजन कर आशीर्वाद भी लिया। शर्मा ने मंदिर परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा में मुकुट मुखारविंद पर गिरिराज जी का दुग्धाभिषेक भी किया।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री भरतपुर के सेवर में लुधावई स्थित बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में सपत्नीक दर्शन कर आमजन की खुशहाली की कामना की। शर्मा ने गुरु वंदन कार्यक्रम के तहत बड़ा हनुमान मंदिर में महंत रामदास जी महाराज का सत्कार-सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने रामदास जी को सम्मान राशि, श्रीफल, शॉल, मिठाई एवं गुरु वंदन संदेश भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के साथ बैठकर प्रसादी भी ग्रहण की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विगत कई वर्षों से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष पूंछरी का लौठा पहुंचकर गुरुओं एवं साधुओं का आशीर्वाद लेते हैं। शर्मा के निर्देशों पर ही इस दिन संत-महात्माओं के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए प्रदेशभर में गुरु वंदन कार्यक्रम किया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बड़ा हनुमान मंदिर परिसर के समीप जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह, बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेश सिंह, नौक्षम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव को गुरुवार को यहां श्रद्धांजलि अर्पित की। शेखावत सुबह अश्विनी वैष्णव के रातानाडा स्थित निवास पहुंचे और उनके पिता दाऊलाल वैष्णव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अश्विनी वैष्णव एवं परिवारजनों को ढांढस बंधाया। उल्लेखनीय है कि दाऊलाल वैष्णव का गत आठ जुलाई को निधन हो गया था।

गुरु जीवन के मार्गदर्शक, राष्ट्र निर्माण के सूत्रधार और चरित्र निर्माण के प्रेरणास्त्रोत है : हेमंत मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेश के राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने प्रतापगढ़ जिले के सिंगपुरिया बालाजी मंदिर पहुंचकर वहां के पूज्य महंत आत्मानंद जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। देवस्थान विभाग द्वारा आयोजित विशेष समारोह में उन्होंने महंत का शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया तथा पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने प्रदेश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस पर्व पर भेजे गए संदेश जिसमें गुरु के महत्व, भारतीय संस्कृति में उनके आदर्श स्थान और जीवन निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया गया था को उपस्थित श्रद्धालुओं के समक्ष पढ़कर सुनाया।

मंत्री मीणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु का सम्मान करना हमारी सनातन परंपरा का मूल स्तंभ है। संत न केवल समाज को आध्यात्मिक दिशा देता है, बल्कि नैतिक मूल्यों और संस्कृति के संरक्षण में भी महती भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा में गुरु न केवल शिक्षा के प्रदाता हैं, बल्कि वे जीवन के मार्गदर्शक, राष्ट्र निर्माण के सूत्रधार और चरित्र निर्माण के प्रेरणा स्रोत भी हैं। मीणा ने कहा कि वर्तमान समय में जब कई युवा दिशाभ्रमित हो रहे है, ऐसे में संतों का सान्निध्य उन्हें सही दिशा दिखाने का कार्य करता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार संतों, साधु-संत समाज और धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है।

राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश

जयपुर।राजस्थान में मानसून की सक्रियता के कारण बीते चौबीस घंटे में कई जगहों भारी से अति भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राजस्थान के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी व कहीं-कहीं अतिभारी बारिश हुई। इसने कहा कि सर्वाधिक 163.0 मिलीमीटर बारिश नसीराबाद में हुई। इसी तरह कोटपूतली में 150 मिलीमीटर और बहरोड़ में 110 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अनुसार पूर्वी राजस्थान में 10 जुलाई से जबकि पश्चिमी राजस्थान में 12 जुलाई से भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। आईएमडी के अनुसार 11 जुलाई को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने व 12-13 जुलाई को कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर व उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी व अतिभारी बारिश हो सकती है।

समितियों की रिपोर्ट पर सदन में चर्चा शुरु करने का विचार : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राज्य विधानसभा को देश की नम्बर वन विधानसभा के रुप में पहचान बनाने के लिए नवाचार एवं विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जा रहे हैं और धीरे धीरे इसके सकारात्मक परिणाम भी मिलने लगे जिससे प्रश्नों के समय पर उत्तर मिलने के साथ सदन की बैठकों में इजाफा होने से लोगों को इसका लाभ मिलने लगा वहीं जवाबदेही बढ़ाने के लिए समितियों की रिपोर्ट पर सदन में चर्चा शुरु करने पर भी विचार किया जा रहा हैं।

देवनानी ने यूनीवार्ता के साथ बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले सत्र के प्रश्नों के 55-60 प्रतिशत के जवाब आ गये हैं और विधानसभा के अगले सत्र के शुरु होने से पहले पिछले सत्र के अधिकांश प्रश्नों के उत्तर मिल जायेंगे। उन्होंने बताया कि वह विभागवार बैठक लेंगे और अब यह सिस्टम चल पड़ा है कि ध्यानाकर्षण, याचिकाएं और प्रश्नों के उत्तर पिछले सत्र के पूरे कर लिये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि विधानसभा समितियों की पहले की तुलना में बैठकें ज्यादा हो रही है और अब वह सोच रहे है कि समितियों की रिपोर्ट को सदन में चर्चा करना शुरु कर दे ताकि इससे जवाबदेही बढ़ेगी।

उन्होंने बताया कि देश की सीपीए ने छह विधानसभा अध्यक्षों की एक कमेटी बनाई है जो समितियों के काम करने आदि के बारे विचार विमर्श करेगी। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई को इस समिति की भोपाल में बैठक होनी और वह उसमें भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा की समितियों में कुछ समितियों को अन्य समितियों में सम्मिलित कर दिया गया जिससे अब 17 समितियां रह गई हैं।

व्यक्ति के जीवन में गुरु का अहम स्थान : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर गुरु वंदन कार्यक्रम के तहत शिकारपुरा धाम स्थित राजेश्वर भगवान मंदिर, फतेह गिरी जी की भाकरी मोगड़ा में फतेह गिरी जी की महाराज की समाधि और रतनगिरी जी महाराज की समाधि के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। संसदीय कार्य मंत्री ने शिकारपुरा धाम के संत दयाराम जी महाराज, मोगड़ा भाकरी के महंत रघुवीर गिरी जी, सैनाचार्य स्वामी अचलानन्दगिरी जी महाराज एवं बड़ा रामद्वारा के रामप्रसाद जी महाराज को राजस्थान सरकार के गुरुवंदन कार्यक्रम के तहत शॉल, श्रीफल एवं माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का गुरुवंदन प्रशस्ति पत्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पटेल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरु का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। उन्होंने कहा गुरु ही वह मार्गदर्शक होते हैं जो हमें अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के उजाले की ओर ले जाते हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा गुरु न केवल शिक्षा देते हैं बल्कि जीवन में सही मूल्य, नैतिकता और अनुशासन सिखाते हैं।उन्होंने कहा कि गुरु के बिना जीवन अधूरा होता है, गुरु हमें जीवन जीने के लिए आत्मविश्वास और प्रेरणा देते हैं। पटेल ने सभी से आह्वान करते हुए कहा हमें अपने गुरुओं का सम्मान करना चाहिए और उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज और देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए।

कलाकारों को तलाशने और तराशने का नायाब मंच साबित हो रहा डेल्फिक क्लब : गुहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थानी कला और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने, युवा कला प्रतिभाओं को तलाशने एवं तराशने के साथ-साथ माकूल मंच प्रदान करने और पारंपरिक कला रूपों को संरक्षित रखने की दिशा में डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है, यह कहना है काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा का।

श्रीमती श्रेया गुहा ने हरिश्चन्द्र माथुर रीपा में आयोजित डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के चौथे स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि काउंसिल का उद्देश्य कला की मूल भावना को प्रोत्साहित एवं पल्लवित करने के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों के समग्र उन्नयन के प्रयासों को धरातल पर उतारना है।

उन्होंने बताया कि डेल्फिक काउंसिल पिछले चार वर्षों से राजस्थान में कला व संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर कार्यरत है। डेल्फिक काउंसिल द्वारा युवा वर्ग को कला, संगीत, साहित्य, नृत्य, हस्तकलाओं, फोटोग्राफी, फिल्म मेकिंग इत्यादि से जोड़कर उनकी भागीदारी कला एवं संस्कृति क्षेत्र मे बढ़ाने हेतु विभिन्न संस्थानों मे 'डेल्फिक क्लब' की शुरूआत की गई है। प्रदेश में पहले से ही संचालित सात डेल्फिक क्लब कार्यरत है, जिनके साथ-साथ तीन नये डेल्फिक क्लब, सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तथा धारव हाई स्कूल में गठित किये जा रहे है। श्रीमती गुहा ने बताया कि इन क्लबों द्वारा प्रदेश के युवाओं को अपनी कला व संस्कृति को जानने-पहचानने तथा उनके प्रदर्शन हेतु राजस्थान ही नही अपितु देश-विदेश में अवसर प्रदान किये जायेंगे।

कार्यक्रम मे विभिन्न स्कूलों के प्रतिनिधियों द्वारा डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की गई। श्रीमती गुहा द्वारा डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के नवीन लोगो का अनावरण किया गया। शॉर्ट फिल्म द्वारा डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की चार वर्ष की यात्रा का प्रदर्शन भी किया गया। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के सदस्यों द्वारा हरिश्चन्द्र माथुर रीपा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान के महासचिव डॉ. जितेन्द्र सोनी (आई.ए.एस), निशान्त जैन (आई.ए.एस), शिप्रा शर्मा (आर.ए.एस), कीर्ति शर्मा, नवीन त्रिपाठी, राहुल सूद, मनीषा गुल्यानी, शुवांकर बिस्वास, शबाना डागर, अब्दुल लतीफ उस्ता, दिनेश राणा, आई.आई. सी.डी की निदेशक तूलिका गुप्ता, प्रोफेसर डॉ. अरूनांशु हाल्दार वाइस चांसलर सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, सुप्रीति सांगवान विद्याश्रम स्कूल, सुप्रमेन्द्र खंगारोत एम.जी.डी स्कूल, सुमंजू शर्मा एम.पी.एस स्कूल, सुप्रियंका एन माथुर पैलेस स्कूल आदि भी उपस्थित रहे।

साक्षरता से सशक्तिकरण के लिए जयपुर जिला प्रशासन ने किया 'नरेगा आखर' अभियान का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला मेटों के माध्यम से नरेगा श्रमिकों को साक्षर करने के लिए जिला प्रशासन ने नरेगा आखर अभियान का आगाज किया है। अभियान के तहत गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ अभियान का शुभारंभ हुआ। जिला प्रमुख श्रीमती रमा चौपड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साक्षरता से सशक्तिकरण की दिशा में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन का यह प्रयास मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान से ना केवल ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक चेतना का विस्तार हो बल्कि महिलाओं में भी हस्ताक्षर ज्ञान एवं वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरुकता का संचार होगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि नरेगा आखर का उद्देश्य जिले के

ग्रामीण क्षेत्र के निवासरत निरक्षर ग्रामीणों एवं नरेगा श्रमिकों को साक्षर, दक्ष, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्रिय कर डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता के माध्यम से सशक्त बनाना है।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि नरेगा आखर अभियान के तहत बुनियादी साक्षरता, हस्ताक्षर ज्ञान, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता शामिल है। इस हेतु महात्मा गांधी नरेगा, प्रारंभिक शिक्षा, शिक्षा साक्षरता एवं सतत शिक्षा, जिला अग्रणी प्रबंधक, सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभागों के माध्यम से अभियान का सफल संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग, साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग तथा प्रारंभिक शिक्षा विभाग के सहयोग से नरेगा श्रमिकों को बुनियादी साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए 'नरेगा आखर' अभियान का शुभारंभ किया गया है। 'नरेगा आखर' एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों मे नरेगा कार्यस्थलों पर कार्यरत निरक्षर श्रमिकों को कार्यात्मक, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता प्रदान करना है। यह पहल ग्रामीण निरक्षर श्रमिकों को बुनियादी साक्षरता और विषयगत जानकारी से अवगत करवाने के लिए शुरु की गई है, ताकि वे स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायतों के साथ सार्थक रूप से जुड़ सकें।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की यह पहल नरेगा कार्यस्थलों को केवल रोजगार स्थल नहीं, बल्कि सशक्तिकरण के केंद्र में बदलने की परिकल्पना करती है। बुनियादी साक्षरता के माध्यम से नरेगा श्रमिक न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि समुदाय में परिवर्तन के अग्रदूत के रूप मे उभरेंगे। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संरचित शिक्षण मॉड्यूल, सामुदायिक कार्यशालाएं और डिजिटल टूल्स के एकीकरण के माध्यम से नरेगा श्रमिकों को आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं के लिए तैयार किया जाएगा।

वित्तीय और डिजिटल साक्षरता पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें बैंकिंग, सरकारी योजनाओं तक पहुंच और डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम पश्चात प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा अपने-अपने ब्लॉक, ग्राम पंचायत क्लस्टर स्तर पर समस्त महिला मेटों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इस प्रकार प्रत्येक कार्यक्रम अधिकारी एवं विकास अधिकारी द्वारा स्वयं के अधीनस्थ पंचायत समिति में प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षकों की अलग-अलग टीम का गठन कर समस्त ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कार्यरत निरक्षर श्रमिकों को 'नरेगा आखर' के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, भंडारण और विक्रय पर उठाएं ठोस कदम : पंत

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद घातक है, इससे जनस्वास्थ्य, जलवायु और जैव विविधता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, भंडारण और विक्रय में संलिप्त कारखानों और व्यापारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में सिंगल यूज प्लास्टिक रोकथाम टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि अंतर्राज्यीय परिवहन के माध्यम से हो रही सिंगल यूज़ प्लास्टिक की आपूर्ति पर रोक लगाने के लिए परिवहन एवं वाणिज्य कर विभाग समन्वित रणनीति तैयार करें। उन्होंने संबंधित विभागों से इस दिशा में गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया, विज्ञापन, विशेष लेखों, सफलता कहानियों और समाचारों के माध्यम से आमजन को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए।

राजधरा पोर्टल पर उपलब्ध होगी खनिज संबंधी आवश्यक जानकारी

जयपुर। प्रमुख सचिव खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि राज्य के मिनरल ब्लॉकों व प्लाटों के डेलिनियेशन से लेकर खान परिचालन सहित सभी आवश्यक जानकारी अब राजधरा पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस जानकारी को प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल से भी इंटीग्रेट किया जाएगा ताकि आवश्यक सभी जानकारी सहज उपलब्ध हो सके।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त गुरुवार को खनिज भवन में निदेशक माइंस दीपक तंवर, विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही सूचना एवं प्रोद्योगिकी डीओआईटी राजधरा टीम के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में डेलिनियेशन कार्य आरंभ होने के साथ ही उपलब्ध खनिज और उसके संभावित डिपोजिट व अन्य आवश्यक जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध हो सकेगी। खान विभाग और डीओआईटी के अधिकारियों की टीम द्वारा दो से तीन माह में इसे अंतिम रुप दे दिया जाएगा। इसके लिए खान विभाग के अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान आलोक प्रकाश जैन और डीओआईटी की श्वेता सक्सैना को समन्वयक अधिकारी बनाया गया है। यह अधिकारी प्रति सप्ताह प्रगति से राज्य सरकार को अवगत करायेंगे।

रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने की दिशा में अनवरत रुप से प्रगतिशील निर्णय ले रहे हैं।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में

अमित शाह ने राज्यों के विकास के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र नए सिरे से ध्यान देते हुए और नई दिशा के साथ राज्यों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

शाह ने यह टिप्पणी 27वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में की, जिसमें झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहित चार पूर्वी राज्यों – झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने बताया कि सोरेन ने राज्य से संबंधित 31 मुद्दे उठाए, जिनमें कोयला क्षेत्र के केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों पर 1.36 लाख करोड़ रुपए के बकाया का मुद्दा भी शामिल है। उन्होंने 'एमएसएमई' के माध्यम से बेहतर बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन का आह्वान किया।

झारखंड ने आदिवासियों के लिए अलग सरना धार्मिक संहिता का मुद्दा भी उठाया। बुधवार रात राज्य की राजधानी पहुंचे शाह बैठक के बाद एक विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मांगों में सार्वजनिक उपक्रमों में स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता, खदानों को सुरक्षित तरीके से बंद करना और पर्यटन को बढ़ावा देना तथा आदिवासी विरासत की रक्षा के लिए केंद्र का समर्थन शामिल हैं। राज्य में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण रेलवे और राजमार्ग योजनाओं के अलावा एक मेट्रो परियोजना का प्रस्ताव भी शामिल है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, ''बिहार के विभाजन के बाद बिहार और झारखंड के बीच संपत्ति के बंटवारे सहित लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक समिति का गठन किया गया।''

अवैध वित्तपोषण, धर्मांतरण नेटवर्क का पता लगाने को

एटीएस ने जलालुद्दीन, नसरीन को रिमांड पर लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ता (उप्र एटीएस) ने धर्मांतरण गिरोह और अवैध वित्तपोषण के स्रोतों का पता लगाने के लिए जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन की हिरासत ले ली है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एटीएस अवैध वित्तपोषण से खरीदी गई बेनामी संपत्तियों का भी पता लगाएगी।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने यहां पुलिस मुख्यालय में संवाददाताओं को बताया कि एटीएस द्वारा पूर्व में दर्ज मामले में पांच जुलाई को जलालुद्दीन और नसरीन को गिरफ्तार किया गया था। एक विशेष अदालत ने बुधवार को जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को एक सप्ताह की एटीएस हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

यश ने कहा कि एटीएस अब इनके नेटवर्क, अवैध वित्तपोषण के स्रोतों और अवैध साधनों से खरीदी गई संपत्तियों के बारे में आरोपियों से पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा, इस गिरोह के धन के स्रोतों, विभिन्न क्षेत्रों में फैले इसके नेटवर्क के साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि अवैध रूप से हासिल की गई इन संपत्तियों का कैसे उपयोग किया गया और कैसे इन संपत्तियों को जायज बनाया गया। गैंगस्टर कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी और ऐसी संपत्तियों को ध्वस्त किया जाएगा।

चालकों की हड़ताल का तीसरा दिन

ओडिशा सरकार ने ईंधन संकट से निपटने को टास्क फोर्स गठित की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने तेल टैंकरों और माल वाहनों की समुचित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए टास्क फोर्स गठित की है। राज्य में जारी चालकों की हड़ताल के बृहस्पतिवार को तीसरे दिन में प्रवेश करने के बाद संभावित ईंधन संकट से निपटने को लेकर सरकार ने यह कदम उठाया है। राज्य के वाणिज्य तथा परिवहन मंत्री विभूति भूषण जेना की अध्यक्षता में बुधवार रात हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

'उत्कल पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष संजय लाठ ने कहा, ''अगर आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो अधिकांश ईंधन स्टेशनों पर आज शाम (ईंधन का) स्टॉक ख़त्म हो जाएगा।'' टास्क फोर्स में वाणिज्य और परिवहन विभाग, पुलिस, जिला प्रशासन और तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि टास्क फोर्स को चौबीसों घंटे निगरानी, परिवहन संबंधी चुनौतियों का त्वरित समाधान तथा पेट्रोलियम एवं अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि जहां भी आवश्यकता हो, ईंधन टैंकरों और ट्रकों को आवश्यक सुरक्षा समेत पूरी सहायता प्रदान की जाए।

कांग्रेस आपातकाल की सोच का समर्थन करती है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर उस सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया जिसने आपातकाल लाया था। पार्टी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के खिलाफ बिहार में राहुल गांधी का प्रदर्शन विपक्षी पार्टी की इस सोच को रेखांकित करता है कि संवैधानिक संस्थाओं की वैधता उनकी चुनावी जीत या हार पर निर्भर करती है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा अपने वरिष्ठ सहयोगी शशि थरूर की आलोचना करने पर विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा। थरूर ने एक लेख लिखकर आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताया है।

थरूर ने 1975 में घोषित आपातकाल की आलोचना करते हुए कहा है कि देश की जनता ने उस दौर की ज्यादतियों का स्पष्ट जवाब इंदिरा गांधी को बड़े अंतर से सत्ता से बाहर करके दिया था। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने थरूर पर कटाक्ष करते हुए 'एक्स' पर लिखा, जब कोई सहकर्मी भाजपा की बातों को शब्दशः दोहराने लगता है, तो आप सोचने लगते हैं – क्या पक्षी तोता बन रहा है? नकल करना पक्षियों में अच्छा लगता है, राजनीति में नहीं। वह तिरुवनंतपुरम से चौथी बार के सांसद थरूर पर निशाना साध रहे थे, क्योंकि थरूर ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई कार्रवाइयों का समर्थन करते हुए टिप्पणियां और लेख लिखे हैं। इस मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर त्रिवेदी ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस नेता को आपातकाल की ज्यादतियों का एहसास होने में 50 साल लग गए, लेकिन पार्टी के भीतर से आई प्रतिक्रिया से पता चलता है कि वह अब भी बेशर्मी से इस अतिवादी कदम का समर्थन कर रही है और इसके पीछे की सोच को उचित ठहरा रही है। उन्होंने कहा कि आपातकाल इसलिए लगाया गया क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव न्यायपालिका द्वारा रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यह तय किया कि संवैधानिक पदों की वैधता उसकी सुविधा के अनुसार तय होगी।

त्रिवेदी ने कहा, बिहार में प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणी इसी तरह की सोच को दर्शाती है कि संवैधानिक निकायों की वैधता उनकी चुनावी जीत या हार पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा कि पीढ़ियां बदल गई हैं, लेकिन सोच नहीं बदली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पटना में आरोप लगाया था कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में धांधली की गई थी।

पूर्वोत्तर में बाढ़ : भारतीय सेना ने राहत अभियान शुरू किया, करीब 3800 लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय सेना ने पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ के मद्देनजर व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान (एचएडीआर) शुरू किया है। बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। सेना के मुताबिक उसने पूरे क्षेत्र में 40 राहत टुकड़ियां तैनात की हैं और कुल 3,820 लोगों को बचाया है।

सेना ने नगालैंड, असम और मणिपुर में समन्वित तैनाती के साथ 'ऑपरेशन जल राहत–2' के तहत बचाव अभियान शुरू किया है। बयान के मुताबिक, ''इन प्रयासों का नेतृत्व असम राइफल्स (उत्तर) के मुख्यालय महानिरीक्षक द्वारा स्थानीय नागरिक प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है।''

इसके अनुसार सेना ने अबतक खाने के 1,361 पैकेट बांटे हैं और पानी की 15,421 बोतलें वितरित की हैं। सेना द्वारा 2,095 लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई है। असम के गोलाघाट में धनसिरी नदी के खतरे के निशान के ऊपर बहने कारण सेना ने ऊपरी जिलों में एचएडीआर अभियान शुरू किया है।

बयान के मुताबिक, ''असम की नदियों में हालांकि जल स्तर घट रहा है, लेकिन सेना स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करने के लिए तैयार है।'' सेना ने नगालैंड के संदर्भ में बताया कि दीमापुर के उपायुक्त ने बृहस्पतिवार को सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक सिंगरिजन कॉलोनी में तत्काल बाढ़ राहत अभियान के लिए सेना से मदद मांगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, ''सेना ने इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) टीम की तैनाती के साथ त्वरित प्रतिक्रिया दी।

हालांकि, बाद में मौखिक रूप से सेना को वापस बुलाने का आदेश प्राप्त हुआ, लेकिन सेना मुख्यालय आईजीएआर (एन) स्थित बाढ़ राहत नियंत्रण केंद्र के माध्यम से संसाधन जुटाकर तैयार है।'' सेना ने बताया कि मणिपुर में इंफाल पश्चिम और बिष्णुपुर जिलों से होकर बहने वाली नाम्बोल नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बयान के मुताबिक, ''बाढ़ का पानी कम होने लगा है, लेकिन सेना प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय में राहत कार्यों में सक्रिय रूप से मदद कर रही है।''

ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त 2027 में सेवानिवृत्त हो जाउंगा : धनखड़

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर ईश्वर की कृपा रही तो वह अगस्त 2027 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। उन्होंने यह टिप्पणी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की। उन्होंने हल्के फुल्के अंदाज में कहा, ईश्वर की कृपा रही तो मैं सही समय पर, अगस्त 2027 में सेवानिवृत्त हो जाऊंगा। धनखड़ का 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में पांच साल का कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 को समाप्त हो जाएगा। पेशे से वकील धनखड़ को जब भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना था तब वह पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे।

धनखड़ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उदय के साथ–साथ इसकी बौद्धिक व सांस्कृतिक गरिमा का भी विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की शक्ति उसके विचारों की मौलिकता और मूल्यों की शाश्वतता में निहित होती है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि स्वदेशी दृष्टिकोण को आदिम अतीत के अवशेष बताकर खारिज कर दिया गया और स्वतंत्रता के बाद भी चुनिंदा स्मृतियां बरकरार रहीं।

पिता ने ही गोली मारकर की राज्यस्तरीय टेनिस खिलाड़ी की हत्या

गुरुग्राम/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में राज्य स्तरीय टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की बृहस्पतिवार को उनके पिता ने ही कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना गुरुग्राम के सुशांत लोक में हुई। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया गया है और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए प्रकरण की जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पिता ने कथित तौर पर अपनी बेटी पर पांच से अधिक गोलियां चलाईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की एक टीम घर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। गुरुग्राम सेक्टर 56 पुलिस थाना के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया, हम परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं।

जल जीवन मिशन में अब निरंतरता पर जोर देने की जरूरत : सी आर पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर जल आपूर्ति एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रणालियों को मजबूत किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि जल जीवन मिशन का ध्यान अब बुनियादी ढांचे की आपूर्ति से सततता पर केंद्रित किया जाना चाहिए।

मंत्री ने ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के संचालन और रखरखाव पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''इस यात्रा का अगला चरण निरंतरता है।''

जल जीवन मिशन 2019 में शुरू किया गया था। इसने 15 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल के जरिए पानी की आपूर्ति की सुविधा मुहैया कराई।

पाटिल ने कहा कि यह उपलब्धि सभी के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने की सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने हालांकि जोर देकर कहा कि सुरक्षित पेयजल तक निरंतर पहुंच अब प्रभावी नीतियों और स्थानीय भागीदारी द्वारा समर्थित लचीली प्रणालियों के निर्माण पर निर्भर करती है।

राष्ट्रीय कार्यशाला में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि, जिलाधिकारियों, इंजीनियर और नीति निर्माताओं ने भाग लिया।

पाटिल ने कहा कि उनकी भागीदारी मिशन के दीर्घकालिक प्रभाव को बढ़ाने के एकीकृत संकल्प का संकेत देती है।

मंत्री ने सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रत्येक गांव में पांच महिलाओं को जल गुणवत्ता की जांच करने का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा, ''इससे न केवल स्थानीय स्तर पर निगरानी सुनिश्चित होती है, बल्कि इससे महिलाओं को सशक्त बनाने और समुदायों के बीच विश्वास का निर्माण करने में भी मदद मिलती है।''

फीफा रैंकिंग में भारत 133वें स्थान पर, नौ साल में सबसे खराब रैंकिंग

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम जून में मिली दो हार से बृहस्पतिवार को जारी फीफा रैंकिंग में छह पायदान की गिरावट से 133वें स्थान पर खिसक गई।

भारत चार जून को एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में थाईलैंड (0–2) से हार गया और फिर एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैच में उसे निचली रैंकिंग वाली हांगकांग (0–1) से भी पराजय झेलनी पड़ी। इसके बाद मुख्य कोच मनोलो मारकेज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से नाता तोड़ लिया। इससे पहले पिछली बार भारतीय टीम की सबसे खराब रैंकिंग दिसंबर 2016 में थी जब वह 135वें स्थान पर थी। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग फरवरी 1996 में 94 थी।

भारतीय टीम के अभी 1113.22 रेटिंग अंक हैं जबकि पहले उसके 1132.03 अंक थे। वह 46 एशियाई देशों में 24वें स्थान पर है जिसमें जापान (17वीं रैंकिंग) सबसे आगे है। भारतीय पुरुष टीम के लिए कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है।

रात भर बारिश से गुरुग्राम में कई जगहों पर जलभराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के गुरुग्राम में रातभर रुक–रुक कर हुई बारिश के कारण जलभराव, यातायात जाम की समस्या को देखते हुए बृहस्पतिवार को जिला प्रशासन ने कॉरपोरेट दफ्तरों और निजी संस्थानों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का परामर्श जारी किया। बारिश के कारण शहर थम सा गया, सड़कें एवं कई रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए और यातायात बाधित हो गया।

सड़क धंसने के कारण बीयर की बोतलों से भरा एक ट्रक पलट गया। यह हादसा सदर्न पेरिफेरल रोड पर हुआ जब शराब की बोतलों से भरा एक ट्रक पलटकर गड्ढे में गिर गया। एक वरिष्ठ यातायात पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और क्रेन की मदद से ट्रक को बाहर निकाला गया। कई निजी स्कूलों ने ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित कीं, जबकि कुछ सरकारी स्कूलों ने दिन के लिए कक्षाएं रद्द कर दीं। कॉरपोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को परामर्श दिया कि वे कर्मचारियों को बृहस्पतिवार को घर से काम करने की अनुमति दें। इससे एक दिन पहले मूसलाधार बारिश के कारण शहर में भारी यातायात जाम और जलभराव हो गया था। बुधवार शाम शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही, जिसके कारण बृहस्पतिवार सुबह तक जाम की स्थिति बनी रही।

पुरी के राजा ने श्री जगन्नाथ मंदिर में सुधारों का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। पुरी के राजा गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 800 साल पुराने श्री जगन्नाथ मंदिर में सुधारों का समर्थन करते हैं ताकि बदलते समय के साथ इसकी विरासत को संरक्षित किया जा सके, लेकिन 12वीं सदी के इस मंदिर में गैर–हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति देने के बारे में उनका रुख तय नहीं है।

पांच दशक से अधिक समय तक भगवान जगन्नाथ के प्रथम सेवक के रूप में सेवा करने वाले देब ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मंदिर का निर्माण 800 साल से भी पहले हुआ था। अनुष्ठान, त्योहार और विभिन्न व्यवस्थाएं सदियों में विकसित हुई हैं।'' देब ने कहा कि पिछले 800 वर्षों में दुनिया और समाज में बहुत कुछ बदल गया है। उन्होंने कहा, ''लेकिन श्री जगन्नाथ मंदिर की व्यवस्था में काफी हद तक कोई बदलाव नहीं आया है। विरासत जारी रहनी चाहिए, लेकिन बदली हुई परिस्थितियों को देखते हुए इसमें कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।'' गजपति ने पुरी आने वाले तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या की

ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए, महाप्रसाद सेवा सुविधा अपर्याप्त साबित हो रही है। इतने सारे भक्तों के लिए एक सहज 'दर्शन' अनुभव सुनिश्चित करना निश्चित रूप से एक चुनौती है। सामान्य दिनों में भी, अब भीड़ पहले के त्योहारों जैसी ही रहती है।'' उन्होंने राज्य सरकार और मंदिर प्रशासन से इन मुद्दों का समाधान करने का आग्रह किया।

सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वाले संगठन 'सामाजिक न्याय अभियान' द्वारा रथ यात्रा के दौरान गजपति की पालकी को अपने कंधों पर उठाने की परंपरा के बारे में उठाए गए मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए देब ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा, ''धार्मिक परंपरा में कोई भी बदलाव निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार होना चाहिए। यह निजी पसंद का मामला नहीं है, बल्कि धार्मिक बाध्यता है।''

पुरी मंदिर के सिंहद्वार पर लगे 'केवल हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति है' वाले चिह्न पर गजपति ने कहा कि यह प्रथा 500 वर्ष से अधिक पुरानी है।

उन्होंने कहा, ''यदि कोई परिवर्तन होना है, तो उसे उचित प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। यह एक धार्मिक परंपरा है। कोई भी संशोधन केवल धार्मिक प्राधिकारियों – जैसे शंकराचार्य, मुक्ति मंडप सभा के विद्वान और अन्य हितधारकों – के परामर्श और अंतिम निर्णय के माध्यम से ही किया जा सकता है।'' उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस मुद्दे का एक धर्मनिरपेक्ष पहलू भी है, जिस पर सरकार को विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, श्री जगन्नाथ मंदिर पर दशकों से आतंकवादी खतरा रहा है।

आठ घुसपैठियों को असम से वापस बांग्लादेश भेजा गया : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को बताया कि कि सीमा के पास पकड़े गए आठ घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश भेज दिया गया है।

शर्मा बताया कि असम के हितों की रक्षा करना उनकी सरकार के लिए सर्वोपरि है और

अवैध प्रवासियों को राज्य में रहने तथा इसकी पहचान को खतरा पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, ''आज सुबह, असम पुलिस ने कछार और श्रीभूमि से पांच बांग्लादेशियों और तीन रोहिंग्याओं को बांग्लादेश वापस भेज दिया।''

असम के श्रीभूमि, कछार, धुबरी और दक्षिण सलमारा–मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं।

सुविचार

असफलता के डर को अपने सपनों के बीच की बाधा मत बनने दें, बल्कि उसे अपने सफल होने की प्रेरणा बनाएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्राकृतिक खेती और स्वस्थ भारत

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्राकृतिक खेती के बारे में जो बयान दिया है, वह स्वागत योग्य है। वरिष्ठ राजनेता इसी तरह जागरूकता का प्रसार करें तो देश खेती-बाड़ी के क्षेत्र में बहुत उन्नति कर सकता है। अमित शाह ने सत्य कहा कि 'प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है, जिसके कई लाभ हैं।' देश में जब से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल होने लगा है, लोगों को कई बीमारियों ने आ घेरा है। आज युवाओं को थायराइड, मधुमेह जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं! बच्चों की आंखों पर कम उम्र में ही चश्मा चढ़ रहा है। पहले, कैंसर जैसी बीमारियां बहुत कम लोगों को होती थीं। अब अस्पतालों में इसके मरीजों की भीड़ दिखाई देती है। यहां तक कि गांवों में लोग कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। अनाज, दालें, दूध, घी - सभी में हानिकारक रसायन घुल गए हैं। प्रकृति ने हमें जो शरीर दिया है, वह ऐसे रसायनों को लंबी अवधि तक बर्दाश्त करने के लिए नहीं बना है। हमें शुद्ध भोजन चाहिए। इसके लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना ही होगा। इसे सोशल मीडिया ने एक बड़ा मंच दिया है। यूट्यूब पर ऐसे दर्जनों चैनल मिल जाएंगे, जो प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। आज ऐसे किसान आगे आ रहे हैं, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। उनमें से कुछ तो विदेशों में नौकरी कर चुके हैं। वे अपने संसाधनों से ही प्राकृतिक खाद और कीटनाशक बना रहे हैं। हालांकि उनके काम में मेहनत बहुत लगती है। वे फिर भी इसे आगे बढ़ा रहे हैं, क्योंकि ऐसे खाद और कीटनाशक धरती तथा मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं।

कुछ वैज्ञानिक और चिकित्सक भी प्राकृतिक खेती में रुचि ले रहे हैं। उनके सामने ऐसे मामले आए हैं, जब किसी गांव और उसके आस-पास के इलाकों में कई लोग एक ही तरह की स्वास्थ्य समस्या का सामना करने लगे। उन्होंने पाया कि इसके पीछे जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग एक बड़ी वजह है। पश्चिम अफ्रीकी देश माली में प्राकृतिक कीटनाशक बहुत मददगार साबित हो रहे हैं। वहां बड़े पैमाने पर संतरा की खेती होती है। पिछले कुछ वर्षों में सफेद दीमक का प्रकोप काफी बढ़ गया था, जिसके कारण खेती चौपट होने लगी थी। किसान खूब मेहनत करते थे, लेकिन पेड़ पर फल नहीं लग पाते थे। उन्होंने कई तरह के रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल किया, फिर भी कोई खास लाभ नहीं हुआ। इसके बाद उन किसानों को नीम के तेल से बने प्राकृतिक कीटनाशक का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। माली में वर्षों पहले नीम के पौधे भारत से लाए गए थे। जब किसानों ने नीम के तेल से कीटनाशक बनाकर पेड़ों पर स्प्रे किया तो नतीजे चौंकाने वाले रहे! उससे सफेद दीमक का खात्मा होने लगा और पेड़ दोबारा लहलहाने लगे। यही नहीं, माली में मक्का की खेती में कीड़े लगने से बहुत नुकसान होता था। उन पर काबू पाने के लिए किसान जहरीले कीटनाशकों का स्प्रे करते थे। इससे हर साल हजारों लोग बीमार भी पड़ते थे। इन कीटनाशकों को खरीदने पर बहुत धन खर्च होता था। अब कुछ संस्थाएं किसानों को प्राकृतिक कीटनाशक बनाने की विधि सिखा रही हैं। मक्का की फसल पर इनके स्प्रे से फसल सुरक्षित होने लगी है। इससे खेतों की उपज बढ़ रही है। माली के किसानों के लिए नीम के पेड़ वरदान सिद्ध हो रहे हैं। अगर हमारे किसान भी उचित प्रशिक्षण लेकर खेती में प्राकृतिक खाद और कीटनाशकों के इस्तेमाल को प्राथमिकता दें तो भविष्य में स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था, दोनों को अनेक लाभ होंगे।

ट्वीटर टॉक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न सिर्फ कूटनीतिक संबंध मजबूत कर रहे हैं, बल्कि हर उपहार के साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान भी दिला रहे हैं। ये उपहार सिर्फ औपचारिक भेंट नहीं हैं, ये भारत की कला, आस्था और परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भरतपुर स्थित लुधावई के प्राचीन बड़ा हनुमान जी मंदिर परिसर में आयोजित जनसुनवाई में देवतुल्य जनता की परिवेदनाओं को सुनकर जनहित से जुड़ी प्रत्येक समस्या के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

उपयोगिता

एक राजा था। उसने आज्ञा दी कि संसार में इस बात की खोज की जाय कि कौन से जीव-जंतु निरुपयोगी हैं। बहुत दिनों तक खोज बीन करने के बाद उसे जानकारी मिली कि संसार में दो जीव जंगली मक्खी और मकड़ी बिल्कुल बेकार हैं। राजा ने सोचा, क्यों न जंगली मक्खियों और मकड़ियों को ख़त्म कर दिया जाए। इसी बीच उस राजा पर एक अन्य शक्तिशाली राजा ने आक्रमण कर दिया, जिसमें राजा हार गया और जान बचाने के लिए राजपाट छोड़ कर जंगल में चला गया। शत्रु के सैनिक उसका पीछा करने लगे। काफ़ी दौड़-भाग के बाद राजा ने अपनी जान बचाई और थक कर एक पेड़ के नीचे सो गया। तभी एक जंगली मक्खी ने उसकी नाक पर डंक मारा जिससे राजा की नींद खुल गई। उसे ख़याल आया कि खुले में ऐसे सोना सुरक्षित नहीं और वह एक गुफ़ा में जा छिपा।

राजा के गुफ़ा में जाने के बाद मकड़ियों ने गुफ़ा के द्वार पर जाला बुन दिया। शत्रु के सैनिक उसे ढूँढ ही रहे थे। जब वे गुफ़ा के पास पहुँचे तो द्वार पर घना जाला देख कर आपस में कहने लगे, अरे! चलो आगे। इस गुफ़ा में वह आया होता तो द्वार पर बना यह जाला क्या नष्ट न हो जाता। गुफ़ा में छिपा बैठा राजा ये बातें सुन रहा था। शत्रु के सैनिक आगे निकल गए।

उस समय राजा की समझ में यह बात आई कि संसार में कोई भी प्राणी या चीज़ बेकार नहीं। अगर जंगली मक्खी और मकड़ी न होतीं तो उसकी जान न बच पाती। इस संसार में कोई भी चीज़ या प्राणी बेकार नहीं। हर एक की कहीं न कहीं उपयोगिता है।

सामयिक

आतंकवाद में डिजिटल तकनीक का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

वर्ष 2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूज़र्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूज़र्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के ज़रिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें हाई रिस्क जॉन' की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए- क्रिप्टो ट्रांजैक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए।

डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज़ किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है। आतंकवादी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ डिजिटल तरीकों से भी धन जुटाकर आतंकवाद को अंजाम दे रहे हैं।

भारत ने एफएटीएफ रिपोर्ट को अपने रुख के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई की मांग की गई है। यह रिपोर्ट आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। यह रिपोर्ट आतंकवाद के वित्तपोषण और संचालन में शामिल देशों और व्यक्तियों पर दबाव बढ़ाने और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नीतियों और रणनीतियों को विकसित करने में सहायक हो सकती है।

विशेष

सरलता से सुशोभित शिव

डॉ. रीना रवि मालपानी

मोबाइल : 9039551172

आदि अनंत अविनाशी शिव की महिमा तो सर्वथा विख्यात है। महादेव की संज्ञा से सुशोभित शिव के जीवन में कितनी सरलता है यह तो अवर्णनीय है। कुबेर को लक्ष्मी के खजांची बनाने वाले शिव साधारण वेषभूषा धारण करते है। कर्पूर की तरह गौर वर्ण शिव शरीर पर भस्म रमाते है। प्रायः यह देखा जाता है कि विवाह में दूल्हा स्वयं को अनेक आभूषणों से सुसज्जित करता है, परंतु शिव जैसे सदैव दृष्टिगोचर होते है वैसे ही वह विवाह में सबके समक्ष प्रत्यक्ष हुए। सत्यम शिवम सुंदरम रूप शिव का कल्याण स्वरूप है। शिव का लिंग स्वरूप ब्रह्मांड का प्रतीक है। शिव को संहार का देवता कहा जाता है, परंतु जब कालकूट विष से पृथ्वी पर संकट आया तो उन्हीं महादेव ने विष को ग्रहण कर सभी को चिंता मुक्त किया। शिव ही तो है जिन्होने विष को ग्रहण कर एक और उपनाम नीलकंठ प्राप्त किया। यह वही शिव है जिन्होने श्री हरि विष्णु के कमल अर्पित करने पर उन्हें सुदर्शन चक्र प्रदान किया, जिसका प्रयोग श्री हरि नारायण सृष्टि के कुशल संचालन में करते है।

उमापति महेश्वर शिव सदैव योग एवं ध्यान मुद्रा में ही रहते है, क्योंकि ध्यान ही शांत चित्त एवं आनंद स्वरूप प्रदान करता है। शिव प्रत्येक स्वरूप में अपनी श्रेष्ठता से शोभायमान होते है चाहे वह योगी हो, सन्यासी हो या गृहस्थ। शिव तो ओढर दानी है, अर्थात अनोखे दाता। आशुतोष शिव को प्रसन्न करना भक्त के लिए सबसे सरल है। शिव की सरलता तो उनको अर्पित सामाग्री से ही सिद्ध होती है, जो भी सामग्री सरलता से उपलब्ध हो वही शिव को अर्पित कर दो और भोलेनाथ से मनोवांछित फल प्राप्त कर लो। राजा हो या रंक शिव के लिए तो सभी समान है, मात्र जलधारा अर्पित करने से शिव संतुष्ट हो जाते है। यत्र-तत्र उगने वाला धतूरा, आक शिव को समर्पित किया जाता है। शिव की सरलता तो अतुलनीय है। एक बिल्वपत्र अर्पित करने पर भक्त के तीन जन्मों के पाप हर लेते है। अनायास भी शिव नाम मुख से उच्चरित हो गया तो वही जीवन के लिए कल्याणकारी सिद्ध हो जाएगा। शिव के बारह ज्योर्तिलिंगों का स्मरण करने मात्र से सात जन्मों के पाप क्षय हो जाते है।

शिव की प्रतिमा या लिंग स्वरूप के अभाव में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर पूजन एवं अर्चन कर भी भक्त द्वारा मनोवांछित फल प्राप्त किया जा सकता है। इतनी सहजता तो अन्यत्र दुर्लभ है, इसलिए चन्द्रशेखर, उमापति अत्यंत वंदनीय है। भक्त ने शिव को जहां विराजमान किया और जो नाम प्रदान किया वह शिव सहर्ष स्वीकार कर लेते है। ज्योतिर्लिंग में भक्तों की तपस्या से उनकी मनोकामना पूर्ति के लिए आशुतोष सदैव प्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो गए। राम नाम की अमृत धारा का रसास्वादन करने वाले शिव रामेश्वर एवं गोपेश्वर महादेव के रूप में भी दर्शन देते है। शिव भक्त का कल्याण तो श्री हरि नारायण भी करते है। रावण की शिव भक्ति का ही परिणाम था कि प्रभु श्री राम के हाथों उसे मुक्ति प्राप्त हुई। श्री हरि विष्णु भी कहते है कि जो शिव की आराधना करता है वह नारायण की कृपा का भी भागी होता है क्योंकि हरि और हर एक दूसरे को आराध्य मानते है।

आशुतोष शिव शंकर भोलेनाथ गौरीपति प्रेम की भी उत्कृष्टता सिद्ध करते है। अंतर्यामी शिव सती के हठ को सहज स्वीकार करते है और शक्ति स्वरूपा माँ भगवती को भी कठिन तपस्या से ही प्राप्त होते है। अर्धनारीश्वर स्वरूप में शिव-शक्ति की समानता को उजागर करते है। स्वर्ण भवन निर्माण के पश्चात भी अपने दानी स्वरूप के कारण कैलाश में निवास करते है। सरलता से जीवन को साध्य बनाने वाले शिव की तो महिमा ही न्यारी है। कंठ के भीतर भी विष और बाहर भी विष विद्यमान है, इसके बाद भी वे एकाग्र और ध्यानचित्त दिखाई देते है। ऐसे आनंद स्वरूप भगवान शिव ही हो सकते है। ऐसी गृहस्थी किसकी होगी जिसमें सभी विपरीत स्वभाव वाले पशु-पक्षी सर्प, मोर, चूहा, शेर, बैल यह सभी प्रेम पूर्वक रहते है।

शिव का अनुग्रह यदि जीवन में प्राप्त हो जाए तो जीवन में और कुछ प्राप्त करना शेष नहीं रह जाएगा। हम सदैव जीवन में इच्छाओं और कामनाओं की पूर्ति में लगे रहते है, परंतु उससे कहीं अधिक हम उस ईश्वरीय सत्ता से जुड़कर परम आनंद या अन्तर्मन की प्रसन्नता प्राप्त कर सकते है। शिव ने सब कुछ त्याग कर सरलता को आत्मसात किया। इच्छा मात्र से प्रकट करने वाले भगवान महादेव शिव शंकर त्याग की उत्कृष्टता को स्वीकार करते है। तांडव नृत्य करने वाले नटराज सदैव शांत चित्त स्वरूप में प्रत्यक्ष होकर भक्तों के कल्याण एवं आनंद का मार्ग प्रशस्त करते है। सावन शिव का प्रिय माह है, जहाँ भक्ति का फल भी अनंत गुना हो जाता है, तो क्यों न इस सावन भोलेनाथ से जुड़कर उनके गुणों को आत्मसात कर हम भी जीवन को आनंद स्वरूप बनाएँ।

नजरिया

सिर चढ़कर बोल रही हैं जनसंख्या की दुश्वारियां

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

संयुक्त राष्ट्र की ओर से हर साल 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। जनसंख्या दिवस की इस वर्ष की थीम युवाओं को सशक्त बनाना ताकि वे एक न्यायपूर्ण और आशावादी दुनिया में अपनी पसंद के परिवार बना सकें रखी गई है। दुनिया की जनसंख्या 8 बिलियन यानि 8 अरब को पार कर चुकी है। जनसंख्या वृद्धि आज एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। जनसंख्या विस्फोट ने न केवल विकास को प्रभावित किया है अपितु इससे बेरोजगारी, भुखमरी और अशिक्षा जैसी भयावह समस्याओं ने विकराल रूप ले लिया हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण एक जरूरी कदम हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस दिन को मनाने की शुरुआत की गई।

भारत में जनसंख्या विस्फोट का असर अब दिखाई देने लगा है। हमारी सुविधाएँ सिकुड़ने लगी है और दैनंदिन जीवन मुश्किल में पड़ने लगा है। भारत की राजधानी जनसंख्यां विस्फोट से उबलने लगी है। देश के मेट्रो शहरों का हाल भी बहुत खराब है। बड़े और छोटे शहरों में आये दिन लगने वाले ट्रैफिक जाम ने जीना हराम कर दिया है। वाहन रेंगने की स्थिति में पहुँच गए है। लोगों को पैदल चलना अधिक मुनासिब लग रहा है। बढ़ती जनसंख्या की दुश्वारियां सिर चढ़कर बोलने लगी है। भूखों की संख्यां निरंतर बढ़ रही है। विकास कार्य सिकुड़ रहे है। रोटी, कपडा और मकान की बुनियादी सुविधाओं की बात करना बेमानी हो गया है। विकास का स्थान विनाश ने ले लिया है।आज दुनिया की एक बड़ी आबादी भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास समेत बुनियादी सुविधाओं से वंचित है और इसकी एक प्रमुख वजह अनियंत्रित आबादी है। जनसंख्या वृद्धि भारत सहित दुनिया के कई देशों विशेषकर विकासशील देशों में गंभीर समस्या का रूप ले चुकी है। देश और दुनिया में लगातार बढ़ती जनसँख्या ने विकास के सारे मार्ग अवरुद्ध कर दिए है। कोई ठोस वैश्विक नीति नहीं होने का खामियाजा हर व्यक्ति को उठाना पड़ रहा है। ऐसे में समूचे विश्व का ध्यान भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर केंद्रित हो रहा है जो अपने कठोर फैसलों के लिए जाने जाते है। मोदी इस समय एक गलोबल लीडर के रूप में स्थापित हो चुके है। जनसँख्या विशेषज्ञों का मानना है यदि भारत में कानून के जरिये बढ़ती जनसँख्या पर लगाम लगाई जाती है तो दुनिया भारत का अनुसरण कर सकती है।

भारत में मोदी सरकार के लिए जनसँख्या कानून बनाने का यह सही समय है। देश के विकास को पटरी पर लाने और खुशहाल भारत के सपने को साकार करने के लिए देश में जनसँख्या कानून को अमली जामा पहनने की आज महत्ती जरुरत है। एक या दो बच्चों के आदर्श परिवार को अपनाकर ही हम देश की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं का समाधान कर सकते है। इसके लिए लोगों को जागरूक और शिक्षित कर अपने भले बुरे का ज्ञान करना जरूरी है तभी हम अपने उद्देश्य में सफल हो सकते है। भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। आजादी के समय भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी जो आज चार गुना तक बढ़ गयी है। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक भारत की जनसंख्या 121 करोड़ है। जबकि जनसंख्या वृद्धि दर संबंधी आंकड़ों पर नजर रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार 2021 में भारत की जनसंख्या लगभग 139 करोड़ हो चुकी है। परिवार नियोजन के कमजोर तरीकों, अशिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव, अंधविश्वास और विकासात्मक असंतुलन के चलते आबादी तेजी से बढ़ी है।

जनसंख्या वृद्धि एक नयी चुनौती बनकर हमारे सामने आई हैं और आज भी इस पर काबू पाने में सरकार को कठिनाई हो रही है। जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम देश को भोगने पड़ रहे हैं। बढ़ती जनसंख्या की दुश्वारियां सिर चढ़कर बोलने लगी है। भूखों की संख्यां निरंतर बढ़ रही है। विकास कार्य सिकुड़ रहे है। रोटी, कपडा और मकान की बुनियादी सुविधाओं की बात करना बेमानी हो गया है। विकास का स्थान विनाश ने ले लिया है। अधिक जनसंख्या के कारण बेरोजगारी की विकराल समस्या उत्पन्न हो गयी है। लोगों के आवास के लिए कृषि योग्य भूमि और जंगलों को उजाड़ा जा रहा है। इससे बचने का एक मात्र उपाय यही है की हम येन केन प्रकारेण बढ़ती आबादी को रोके। अन्यथा विकास का स्थान विनाश को लेते अधिक देर नहीं लगेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्घाटन

कोलकाता में यात्रा एवं पर्यटन मेले (टीटीएफ) के उद्घाटन के दौरान कलाकार मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए।

कनाडा में विमानों की टक्कर में भारतीय छात्र पायलट समेत दो लोगों की मौत

ओटावा/भाषा। कनाडा के मैनिटोबा प्रांत में एक भारतीय छात्र पायलट की विमान दुर्घटना में मौत हो गई। टोरंटो में स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी।

श्रीहरि सुकेश के रूप में पहचाने गए पायलट की मौत उस समय हुई जब एकल इंजन वाला उसका विमान आसमान में एक अन्य विमान से टकरा गया, जो एक कनाडाई युवती उड़ा रही थी। मंगलवार को हुई इस दुर्घटना में कनाडाई युवक की भी मौत हो गई।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने बुधवार को कहा कि वह सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए शोक संतप्त परिवार, पायलट प्रशिक्षण स्कूल और स्थानीय पुलिस के संपर्क में है।

कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) की एक खबर में कहा गया है, दोनों छात्र पायलटों के शव उनके विमानों के मलबे से बरामद किए गए हैं। दुर्घटना मंगलवार सुबह विन्निपेग से लगभग 50 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्टाइनबाक के पास हुई। कनाडा में विमानन दुर्घटनाओं की जांच के लिए जिम्मेदार एजेंसी, परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने कहा कि वह जानकारी इकट्ठा कर रहा है और इस घातक दुर्घटना का आकलन कर रहा है। श्रीहरि सुकेश की उम्र का उल्लेख नहीं किया गया है। खबर में कहा गया है कि कनाडाई युवती की पहचान 20 वर्षीय सवाना मे रॉयस के रूप में हुई है।

ई-कॉमर्स विक्रेता मिंत्रा ने पेश किया वीडियो कंटेंट मंच 'ग्लैमस्ट्रीम'

नई दिल्ली/भाषा। फैशन एवं 'लाइफस्टाइल' उत्पादों के ई-कॉमर्स मंच 'मिंत्रा' ने एक नवाचारी सुविधा 'ग्लैमस्ट्रीम' को पेश किया है जहां मनोरंजन, फैशन और त्वरित खरीदारी को एक ही मंच पर अंजाम दिया जा सकता है।

यह फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग का ऐसा पहला नवाचार है, जहां पसंदीदा उत्पादों को वीडियो कंटेंट के रूप में देखने के बाद खरीदने का फैसला किया जा सकता है। ग्लैमस्ट्रीम एक ऐसा मंच है जहां अलग-अलग तरह के वीडियो देखे जा सकते हैं। इन वीडियो में दिखाए गए उत्पादों के बारे में दर्शक जानकारी लेकर खरीदने का फैसला कर सकते हैं।

मिंत्रा ने बयान में कहा कि 'ग्लैमस्ट्रीम' खरीदारी-योग्य कंटेंट का अभिनव मंच है जिसे उसके मोबाइल ऐप में ही एक फीचर के तौर पर पेश किया गया है। यह मनोरंजन, समुदाय और त्वरित खरीदारी को एक सहज अनुभव में ढालकर फैशन को नया रूप देता है।

मिंत्रा के इस फीचर को मुंबई में पिछले सप्ताह के अंत में आयोजित एक कार्यक्रम में औपचारिक तौर पर पेश किया गया। इस मौके पर बॉलीवुड और डिजिटल क्रिएटर जगत की तमाम जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। इनमें रवीना टंडन, खुशी कपूर, नेहा धूपिया भी शामिल हैं। बयान के मुताबिक, मुंबई में इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण बादशाह द्वारा वर्ष के सबसे बहुप्रतीक्षित गीत 'जॉर्डन' की विशेष झलक थी, जो भारत का पहला खरीदारी योग्य मल्टी-ब्रांड संगीत वीडियो है। मिंत्रा के मुख्य विपणन अधिकारी सुंदर बालसुब्रमण्यन ने कहा, हम जीवनशैली से जुड़ी खरीदारी और कंटेंट बाजार में संभावनाओं को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए इतने सारे प्रतिभाशाली लोगों के साथ सहयोग करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

एआई के उपयोग में बड़ी सफलता: रोबोट ने अकेले दम पर पित्ताशय की सर्जरी की

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका में एक रोबोट मानव ऊतकों से बने पित्ताशय पर अकेले दम पर 100 फीसदी सटीकता के साथ सर्जरी करने में कामयाब रहा। शोधकर्ताओं ने इस घटनाक्रम को कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित रोबोट को अस्पतालों में तैनात करने की दिशा में एक मील का पत्थर करार दिया है। 'साइंस रोबोटिक्स' पत्रिका में प्रकाशित शोध पत्र के मुताबिक, जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 'सर्जिकल रोबोट ट्रांसफॉर्मर-हेरारकी' (एसआरटी-एच) नाम के रोबोट को मृत सूअरों का ऑपरेशन करने वाले सर्जन के वीडियो दिखाकर सर्जरी का प्रशिक्षण दिया। शोधकर्ताओं के अनुसार, 'एसआरटी-एच' उन एआई एल्गोरिद्म से संचालित होता है, जिन पर 'चैट जीपीटी' जैसे सॉफ्टवेयर काम करते हैं। उन्होंने बताया कि इस रोबोट ने ऑपरेशन थिएटर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के साथ काम करने वाले नौसिखिए सर्जन की तरह ही न सिर्फ बारीकी से सर्जरी की कला सीखी, बल्कि निर्देशों पर सटीक प्रतिक्रिया भी दी।

मुख्य शोधकर्ता और जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय के मेडिकल रोबोटिस्ट एक्सल क्राइगर ने कहा, यह प्रगति हमें विशिष्ट शल्य चिकित्सा कार्य करने में सक्षम रोबोट से ऐसे रोबोट की ओर ले जाती है, जो वास्तव में सर्जरी से जुड़ी प्रक्रियाओं को समझते हैं। उन्होंने कहा, यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो हमें चिकित्सकीय रूप से व्यवहार्य स्वायत्त सर्जरी प्रणालियों के काफी करीब ले जाती है, जिनमें मरीजों की वास्तविक देखभाल की जटिल एवं अप्रत्याशित परिस्थितियों में काम करने की क्षमता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, इससे पहले रोबोट ने एक सूअर की 'लेप्रोस्कोपिक सर्जरी' सफलतापूर्वक पूरी की थी। यह एक रोबोट की ओर से अकेले दम पर किसी जीवित पशु की सर्जरी किए जाने की पहली घटना थी। हालांकि, इस दौरान चिकित्सकों को उन ऊतकों को चिह्नित करना पड़ा था, जिन्हें सर्जरी के दौरान हटाए जाने की जरूरत थी। इसके अलावा, रोबोट ने अत्यधिक नियंत्रित वातावरण में काम करते हुए पहले से निर्धारित सर्जरी योजना का पालन किया था।

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजलि तेंदुलकर के साथ, गुरुवार को लंदन के लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले।

नए अंदाज में रिलीज होगी 'बाहुबली', एसएस राजामौली ने की घोषणा

चेन्नई/एजेन्सी

भारत की सबसे शानदार ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक 'बाहुबली-द बिगनिंग' ने गुरुवार को अपने 10 साल पूरे कर लिए। इस खास मौके पर निर्देशक एस.एस. राजामौली ने घोषणा की कि वे इस साल 31 अक्टूबर 2025 को फिल्म 'बाहुबली-द एपिक' को वैश्विक स्तर पर रिलीज करेंगे। प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक राजामौली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म 'बाहुबली: द एपिक' का एक नया पोस्टर साझा किया है। इस पोस्टर के साथ उन्होंने एक भावुक संदेश भी लिखा, जिसमें उन्होंने 'बाहुबली' के 10 साल पूरे होने खुशी जताई है।

राजामौली ने लिखा, बाहुबली। एक सफर की शुरुआत, अनगिनत यादें। अनंत प्रेरणा। 10 साल हो गए। उन्होंने आगे इस खास उपलब्धि को 'बाहुबली: द एपिक' के साथ चिह्नित करने की घोषणा की। यह फिल्म 'बाहुबली: द बिगनिंग' और 'बाहुबली 2: द कंक्लूजन' को मिलाकर तैयार की जाएगी। इसमें दोनों भागों की कहानी एक साथ दिखाई जाएगी। यह 31 अक्टूबर 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही, फिल्म निर्माताओं में से एक शोबू यार्लागड्डा ने याद किया था कि फिल्म की रिलीज से पहले के पल कितने तनावपूर्ण और बेचैन करने वाले थे।

शोबू यार्लागड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कुछ ही दिनों में बाहुबली मूवी 'द बिगनिंग' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 10 साल हो जाएंगे! रिलीज से पहले और कुछ दिनों बाद के समय में मैं और मेरी पूरी कास्ट बुरी तरह से नर्वस और तनाव में थे। निर्माता ने आगे कहा, मैं उस समय लिए गए स्क्रीनशॉट्स को देख रहा था। जो मैंने संभालकर रखे थे। क्या आपको याद है कि बाहुबली के पार्ट 1 की रिलीज के समय क्या सोच रहे थे?

उन्होंने फिल्म समीक्षकों के एक्स पोस्ट (उस समय ट्वीट) भी साझा किए, जिन्होंने 9 जुलाई को मुंबई में प्रेस स्क्रीनिंग के बाद फिल्म की प्रशंसा की थी। एस.एस. राजामौली द्वारा निर्देशित फिल्म 'बाहुबली : द बिगनिंग' में अभिनेता प्रभास, राणा दग्गुबाती, अनुष्का शेट्टी और तमन्ना भाटिया जैसे कलाकार थे। फिल्म 10 जुलाई 2015 को रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की थी। निर्माता शोबू ने कुछ दिनों पहले घोषणा की थी, इस खास दिन पर मुझे बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हम इस साल अक्टूबर में बाहुबली को भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फिर से रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

अभिनेत्री संगीता बिजलानी गुरुवार को मुंबई में मीडिया के साथ अपना जन्मदिन मनाते हुए केक काटती हुई।

धनुष ने शुरू की अगली फीचर फिल्म की शूटिंग

मुंबई/भाषा

तमिल अभिनेता धनुष ने अपनी 54वीं फीचर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। 'ईशारी के गणेश ऑफ वेल्स फिल्म इंटरनेशनल' के सहयोग से बन रही इस फिल्म का निर्देशन क्राइम थ्रिलर ''पोर थोज़िल'' से आलोचकों की प्रशंसा बटोरने वाले विग्नेश राजा ने किया है। निर्माता कंपनी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए यह खबर दी। 'वेल्स फिल्म इंटरनेशनल' ने 'टीजर पोस्टर' के साथ धनुष को 'टैग' करते हुए लिखा ''कभी-कभी खतरनाक होना ही जीवित रहने का एकमात्र तरीका होता है''....डी54 - आज से 'फ्लोर्स' पर। धनुष की फिल्मों में कई 'हिट' गाने दे चुके प्रसिद्ध

गीतकार जीवी प्रकाश इस फिल्म में भी संगीत देंगे। गणेश ने अपने एक बयान में कहा ''धनुष, विग्नेश राजा और जीवी प्रकाश जैसी असाधारण प्रतिभाओं के साथ काम करना मेरे लिए हमेशा खुशी की बात होती है। हम 'वेल्स फिल्म इंटरनेशनल' में दर्शकों तक सार्थक और मनोरंजक सिनेमा पहुंचाने की कोशिश करते हैं और यह फिल्म तो सच में खास है। इस सपने को साकार होता देख हम काफी उत्साहित है और हमारे चाहने वालों तक जल्दी अधिक बातें साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।''

धनुष हाल ही में रश्मिका मंदाना, नागार्जुन और जिम सर्भ के साथ कुबेरा में नज़र आए थे। निर्माताओं ने फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और उससे जुड़ी अन्य जानकारी का खुलासा नहीं किया है। धनुष निर्माता और निर्देशक आनंद एल राय की आगामी 'रोमांस-ड्रामा' फिल्म ''तेरे इश्क में'' में भी दिखाई देंगे। पूर्व में राय और धनुष की जोड़ी ''रांझना'' (2013) और अतरंगी रे (2021) जैसी फिल्मों में भी साथ काम कर चुके हैं। वह ''तान्हाजी'' के निर्देशक ओम राउत की फिल्म में 'एयरोस्पेस' वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभाएंगे।

'स्टार किड्स' के लिए करो-या-मरो की स्थिति, हमें आगे बढ़ने का मौका मिला : काजोल

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने कहा कि 'स्टार किड्स' को एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का समय देने के बजाय उन पर जल्द-से-जल्द परिणाम देने का दबाव होता है। बीते ज़माने की अदाकारा तनूजा की बेटी काजोल अपनी पीढ़ी की सर्वाधिक सफल कलाकारों में से हैं। उन्होंने कहा हमें आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त समय और मौका दोनों मिले। उन्होंने कहा आपके माता-पिता का जाना-माना चेहरा होना आवश्यक नहीं है। 'ट्रोल्स' आपकी आलोचना करेंगे ही। लेकिन जब बात किसी ऐसे व्यक्ति की हो जिसके माता-पिता चर्चित चेहरा हैं तो शायद हम उनकी बात को ज्यादा ध्यान से सुनते हैं। काजोल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि हमें आगे बढ़ने का मौका मिला, समय मिला और शायद पर्याप्त फिल्में भी मिलीं जिसकी बदौलत हम आगे बढ़ सके और वह बन सके जो हम अब हैं। उन्होंने कहा आज 'स्टार किड्स' के लिए लगभग करो-या-मरो जैसी स्थिति है और इसके लिए वे पूरी तरह तैयार हैं। हमें उन्हें यह देना ही होगा। लेकिन हम थोड़े और दयालु हो सकते हैं। 50 वर्षीय अभिनेत्री आगामी फिल्म सरज़मीन में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की मां की भूमिका निभाती नज़र आएंगी। इब्राहिम को उनकी पहली फिल्म नादानियां में उनके अभिनय के लिए आलोचना का शिकार होना पड़ा था।

काजोल ने कहा कि अभिनेताओं के निरंतर विकास के लिए नया करते रहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने तमाम चुनौतियों के बावजूद अभिनय के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में काम कर लंबे समय तक टिकने की चाहत रखने वाले वर्तमान अभिनेताओं की सराहना की। अभिनेत्री ने कहा कि अब लंबे समय तक बने रहने का मतलब कुछ और है। उन्होंने कहा यह शायद मेरे मामले की तरह ना हो। लेकिन आज, इन सभी अभिनेताओं की खासियत यह है कि वे अलग-अलग तरह की फ़िल्में करते रहेंगे और अभिनय के साथ-साथ कुछ और भी करेंगे। उनके लिए अब सिर्फ़ फ़िल्में ही मायने नहीं रखतीं। इसलिए उनके मामले में लंबे समय तक बने रहना सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है। काजोल को आखिरी बार पौराणिक हॉरर फिल्म 'मां' में देखा गया था, जिसका निर्देशन 'छोरी' फिल्म से प्रसिद्धि पाने वाले विशाल फुरिया ने किया था।

अनुराग बसु के समर्थन पर कुश जोत्वानी ने मुझे पूरा समर्थन दिया

मुंबई/एजेन्सी

सिनेमा की दुनिया हमेशा नए टैलेंट की तलाश में रहती है, और अब सबकी नजरें कुश जोत्वानी पर हैं, जो अनुराग बसु की बहुप्रतीक्षित फिल्म मेट्रो... इन दिनों से अपना डेब्यू कर रहे हैं।

फिल्म में वे 'आनंद' का किरदार निभा रहे हैं, जो एक इमोशनल और गहराई से भरी कहानी का हिस्सा है। इतने बड़े डायरेक्टर के साथ काम करना किसी भी न्यूकमर के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन, कुश के लिए यह अनुभव सीखने और सहजता से भरा रहा। सेट का माहौल बहुत सहयोगात्मक था। डायरेक्शन से भी आगे बढ़कर इंसानी जुड़ाव और सह-कलाकारों के साथ की केमिस्ट्री ने इसे खास बना दिया। कुश बताते हैं, शोल्डर श्रगिंग (वँधा उचकाना) आनंद के किरदार की एक खूबी थी, जो मुझे बसु सर ने दी। इससे आनंद के बेपरवाह स्वभाव की गहराई समझ आई। शुरू में थोड़ा समय लगा लेकिन बाद में सब स्मूद हो गया। सर ने मुझे मेरी एक्टिंग को एक्सप्लोर करने की आज़ादी दी, और वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

कुश ने आगे बताया, एक दिन मैं जल्दी सेट पर पहुँच गया था और तानी मैम और बसु सर के साथ बैठ गया। हम मेरी अमेज़न शोज़ की बातें कर रहे थे और सर ने मुझे बधाई दी। ये छोटे-छोटे पल मेरे लिए बेहद मायने रखते हैं। सर ने यह भी कहा कि मैं किरदार में ढल गया हूँ, मैंने आनंद को खोज लिया है। अपना पहला सीन याद करते हुए कुश बोले, मेरा पहला सीन था इश्क या ठरक गाने का और मुझे पता था कि ये मेरे लिए सब कुछ बदल देगा। उस समय वैनिटी वैन में मैं बहुत नर्वस था। लेकिन 'एक्शन' के बाद सब कुछ ठीक लगने लगा। सेट का माहौल बहुत पॉजिटिव और सपोर्टिव था। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने सारा अली खान से बात करते हुए बताया कि उनके भाई इब्राहिम और उनके भाई करण जोत्वानी, दोनों जुहू के बेसेंट मोंटेसरी प्री-स्कूल में पढ़े हैं।

फिल्म 'द वाइव्स' में मौनी रॉय की एंट्री हुई कन्फर्म

मुंबई/एजेन्सी

मौनी रॉय अपनी उपलब्धियों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रगति कर रही हैं, जिसने उन्हें एक बहुमुखी प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है, जिसे नज़रअंदाज़ करना असंभव है। हाल ही में मौनी ने सोशल मीडिया पर मेकअप रूम से एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसके बाद फैंस कयास लगाने लगे कि उनका अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। अब उन्होंने खुद पुष्टि कर दी है कि उनकी अगली फिल्म मधुर भंडारकर की आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' है। इस फिल्म में मौनी रॉय के साथ सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, अर्जन बाजवा, सौरभ सचदेवा, राहुल भट्ट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे। अपनी कास्टिंग की पुष्टि करते हुए, मौनी ने भी फिल्म निर्माता और क्लैपबोर्ड के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, इस नई फिल्म का पहला दिन, जिसके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं।

इस मास्टर फिल्ममेकर मधुर भंडारकर के साथ काम करने का अवसर पाकर आभारी हूं। 'द वाइव्स' में मधुर भंडारकर एक बार फिर अपने अनोखे और निर्भीक फिल्म निर्माण के अंदाज़ में जटिल और संवेदनशील विषय को छूने जा रहे हैं। इस बार, बॉलीवुड की पत्नियों की असल ज़िंदगी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और यह दिखाया गया है कि जब वे चकाचौंध, पैपराज़ी, रेड कार्पेट और हाई-प्रोफाइल पार्टियों से दूर होती हैं, तो क्या होता है।

'फैशन' में फैशन इंडस्ट्री के पीछे की सच्चाई दिखाने के बाद, और 'हिरोइन' में शोहरत की उथल-पुथल भरी दुनिया को सामने लाने के बाद, मधुर भंडारकर अब 'द वाइव्स' के ज़रिए अपनी फिल्म निर्माण की ऊँचाईयों को और ऊपर ले जा रहे हैं। मौनी रॉय के लिए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक के साथ यह सहयोग उनकी पिछली व्यावसायिक फिल्मों की तुलना में उनकी नाटकीय क्षमता को और अधिक विविध तरीकों से प्रदर्शित करेगा, जो उन्हें भारतीय सिनेमा की बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित करेगा। बिना किसी गॉडफादर की मदद के, टेलीविजन से मुख्यधारा के सिनेमा में उनके सराहनीय परिवर्तन को देखते हुए, द वाइव्स में उनका शामिल होना उनके उभरते करियर में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

'धड़क 2' का रोमांटिक पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता करण जौहर ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपनी आगामी फिल्म धड़क 2 का नया पोस्टर साझा किया। निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर धड़क-2 का पोस्टर शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री तृप्ति डिमरी और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी हैं। पोस्टर में, दोनों एक-दूसरे के प्यार में डूबे हुए नजर आ रहे हैं, जिससे इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए उत्सुकता बढ़ गई है। जहां सिद्धांत आंखें बंद किए हुए दिखाई दे रहे हैं, वहीं तृप्ति उन्हें प्यार से निहार रही हैं और दोनों एक-दूसरे के सिर को छूते हुए पोज दे रहे हैं। पोस्टर शेयर कर कैप्शन में लिखा, दो दिल एक धड़क, धड़क-2 का ट्रेलर शुक्रवार को आएगा। फिल्म सिनेमाघरों में 1 अगस्त को रिलीज होगी।

फैंस को ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है, यूजर्स उन्हें कमेंट करके 'हार्ट', 'फायर' जैसे इमोजी भेज रहे हैं। 8 जुलाई को, सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'धड़क-2' के साउंडट्रैक में शामिल होने वाले कुछ रोमांचक पार्ट्स की लिस्ट जारी की। इसके साथ उन्होंने लिखा, शैलेंद्र की एक कविता। भगत सिंह का एक दोहा। किशोर कुमार की आवाज़। थॉमस जेफरसन के शब्द। थोड़ा सा शाहरुख खान। और बुडापेस्ट में किया गया ऑर्केस्ट्रेशन। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत 'धड़क 2' का निर्देशन शाज़िया इकबाल ने किया है। यह फिल्म 2018 की फिल्म 'धड़क' की सीक्वल है, जिसमें ईशान खट्टर और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में थे।

फिल्म निर्माण से धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स के बैनर तले करण जौहर, हीरू जौहर, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा, उमेश बंसल, मीनू अरोड़ा और अदार पूनावाला जुड़े हुए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 11-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राजस्थान जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में गुरुवार को पार्श्वनाथ जैन सभागृह में गुरुपूर्णिमा का महोत्सव मनाया गया। जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने गुरुतत्व की भावपूर्ण विवेचना की। वे अपने उपकारी गुरुओं को याद कर रो पड़े। उन्होंने कहा कि अपनी अज्ञानता, मूढ़ता और जड़ता सद्गुरु के बिना कभी नहीं मिटती।

तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने गुरुवार को गांधीनगर भवन में मुनि पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में शपथ ग्रहण की। निवर्तमान अध्यक्षा उषा चौधरी ने नव मनोनीत अध्यक्षा सुनीता कोठारी को शपथ दिलवाई। अध्यक्षा सुनीता कोठारी ने संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य रखते हुए सभी को एकजुट होकर संघ के लिए कार्य करने का आह्वान किया। नव मनोनीत अध्यक्षा ने नव गठित टीम की उपाध्यक्ष लता नवलखा, सरिता हीरावत, मंत्री अरुणा कोठारी, सहमंत्री सुरेखा श्रीश्रीमाल, सहमंत्री भावना पोरवाड़, कोषाध्यक्ष सरिता संचेती, संगठन मंत्री रंजीता बोथरा, प्रचारप्रसार मंत्री मंजू संचेती, कार्यकारिणी सदस्याओं सहित कन्यामण्डल संयोजिका सिया सहलोत एवं सह संयोजिका दिया बरलोटा को भी शपथ दिलवाई। मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने नई टीम को निष्ठा से दायित्व निर्वहन की सलाह दी।

मुनिश्री ने संगठन के प्रति अपनी मर्यादाओं का पालन करते हुए गुरु इंगित द्वारा बताए गए पद्चिन्हों पर चलते हुए कार्य करने की बात कही। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्या शशिकला नाहर, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया सहित राजाजीनगर सभा, तेयुप के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन लता नवलखा ने किया।

विनय ही धर्म में प्रवेश का मुख्य द्वार है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में चातुर्मास के प्रारंभ प्रसंग पर अपने प्रवचन में महासती इंदुप्रभा जी ने कहा कि विनय ही धर्म में प्रवेश का मुख्य द्वार है। विनय से विवेक की प्राप्ति होती है। चातुर्मास में हम अपने अहम को थोड़ा विश्राम दें और इस नशे से मुक्त होने का प्रयास करें। सबका साथ सबका विकास श्रेष्ठ भावना है। इस अवसर पर साध्वीश्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि जीवदया, धर्म, तप, आज्ञा आराधना हेतु प्रभु ने चातुर्मास कल्प की व्यवस्था की है। संतों का आगमन जीव के आवागमन को सीमित करने के लिए होता है। साध्वीश्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि आषाढ़ कार्तिक और फाल्गुन की तीन चौमासी होती है। जीवन में धर्म विकास के लिए उमंग,उत्साह, उदारता, उपासना, उपदेश श्रवण और अनुमोदना करना सीखें। ऋद्धिप्रभा जी ने गुरु पूर्णिमा के संदर्भ में गीतिका प्रस्तुत की। सभा का संचालन महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने आगंतुकों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगलपाठ सुनाया।

सद्गुरु का संयोग जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

गदग में गुरुपूर्णिमा पर लगा भक्तों का मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में गुरुवार को पार्श्वनाथ जैन सभागृह में गुरुपूर्णिमा का महोत्सव मनाया गया। जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने गुरुतत्व की भावपूर्ण विवेचना की। वे अपने उपकारी गुरुओं को याद कर रो पड़े। उन्होंने कहा कि अपनी अज्ञानता, मूढ़ता और जड़ता सद्गुरु के बिना कभी नहीं मिटती। सद्गुरु के थपेड़े ही हमारी युगों-युगों की कुवृत्तियों को समाप्त कर हमें महामानव बनाते हैं। सद्गुरु भीतर से जीवन का निर्माण करते हैं। उनके विचार, व्यवहार और निर्णय हमारी सोच से परे हो सकते हैं। गुरु को बुद्धि से नहीं, श्रद्धा और भक्ति से स्वीकार करना चाहिए। माता-पिता जन्म देते हैं, सद्गुरु जीवन के कल्याण का मार्ग देते हैं। सद्गुरु की खोज कीजिये, उनके बगैर जीवन की सारी उपलब्धियां व्यर्थ हैं। साथ ही यह सजगता भी आवश्यक है कि कुगुरुओं से हम दूर रहें। उनके परिवेश में जीवन को तबाह न करें। शास्त्रों ने कुगुरुओं को पाषाण कहा है। वे स्वयं डूबते हैं और दूसरों को भी डुबो देते हैं। ऐसे कुगुरुओं से सावधान रहना चाहिए। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सद्गुरु का संयोग जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है। जीवन में सब-कुछ मिल जाएं और यदि सद्गुरु न मिले तो मानो कि आपको कुछ भी नहीं मिला है। सद्गुरु के बिना सब अधूरा और व्यर्थ है। इस संसार में इतनी बड़ी मात्रा में पाप-अपराध होते हैं कि इसका टिकना संभव नहीं है। सद्गुरु ऐसी शक्ति है जो सद्विचारों और प्रेरणाओं द्वारा पुण्य को बढ़ाने तथा पाप-अपराधों को कम करने का भरपूर प्रयास करते हैं। इसलिए उन्हीं के असीम उपकारों से ही यह धरती टिकी है। संगीत और मंत्रोच्चार के साथ महावीरस्वामी की समग्र गुरुपरंपरा का पूजन विधान किया गया, इसके लिए पवित्र पीठ पर गुरु गौतम गणधर की मनोहारी प्रतिमा स्थापित की गई। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अनेक साधक, उच्च कोटि के विद्वान, प्रतिभा सम्पन्न, ऐतिहासिक गुरुओं के व्यक्तित्व और कर्तृत्व की सिलसिलेवार रोचक विवेचना की। लाभार्थियों ने प्राचीन गुरु परंपरा के लिए दीप प्रज्वलन कर आशीर्वाद की कामना की। गणि पद्मविमलसागरजी व मुनिगण ने कार्यक्रम की रोचक संयोजना कर दिव्यमंत्रों का उद्घोष किया।

अभिमान का त्याग व विनय गुण का आचरण ही कल्याण का मार्ग है : साध्वीश्री मयूरयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी मयूरयशा श्रीजी की निश्रा में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गणधर श्री गौतम स्वामी गुरु वंदनावली अनुष्ठान का कार्यक्रम रखा गया। साध्वीश्री ने कहा कि प्रभु वीर, गौतम स्वामी, स्थूलभद्र जी और जैन धर्म मंगल रूप है। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव प्रभु के बाद में महावीर स्वामी को सम्यक्त्व की प्राप्ति हुई, इसलिए प्रभु वीर मंगल रूप है। इंद्रभूति गौतम जो मिथ्यात्वी इर्ष्यालु और अभिमानी से हटकर प्रभु वीर के चरणों में समर्पित बने, इसलिए गौतम स्वामी मंगल रूप है।

आचार्य स्थूलभद्र जी ने काम के घर में रहकर भी काम के ऊपर विजय प्राप्त की इसलिए वह मंगल रूप है। प्रभु वीर के जैसी सहनशक्ति, गुरु गौतम स्वामी जैसी सरलता, श्री स्थूलभद्रजी जैसा दृढ़ मनोबल हमें भी प्राप्त हो ऐसी हमें प्रार्थना करनी चाहिए। जो अपना अभिमान छोड़कर प्रभु के विनय गुण को अपनाता है उसका हमेशा कल्याण होता है।

गुरु के बिना जीवन शुरू ही नहीं हो सकता : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी, महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी व दक्षप्रभाकरजी की निश्रा में गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया।आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने कहा कि संसार मे लाने का काम माता-पिता करते हैं लेकिन संसार से तारने का कार्य गुरु द्वारा किया जाता है। संसार को समझाने का कार्य गुरु करते हैं इसलिए जीवन में गुरु का होना भी बहुत ही जरूरी है क्योंकि गुरु के बिना जीवन शुरू ही नहीं हो सकता है। जैन शास्त्रों में गुरु के पांच प्रकार बताए गए हैं, क्रमश: प्रेरक गुरु, सूचक गुरु, बोधक गुरु, पाठक गुरु, और सहायक गुरु। प्रेरक गुरु हमें प्रेरणा देते हैं, इसलिए अरिहंत हमारे प्रेरक गुरु हैं।सूचक गुरु सिद्ध भगवंत होते हैं जो कि हमें मोक्ष मार्ग की सूचना देते हैं। बोधक गुरु हमारे आचार्य भगवंत होते हैं जो हमें धर्म के मार्ग का बोध देते हैं। पाठक गुरु हमारे उपाध्याय भगवंत होते हैं जो कि हमें स्वाध्याय के माध्यम से पढ़ाते हैं और सहायक गुरु हमारे साधु-साध्वी भगवंत होते हैं जो भटके हुए जीवों को धर्म से जोड़कर सही मार्ग ओर जीवन जीने की दिशा का ज्ञान कराते हैं। आचार्यश्री ने बताया कि गौतमस्वामी में विनय गुण था इसलिए वो गुरु गौतम कहलाए। विनय जीवन का आचार व सार है। जो झुकता है वह पाता है, जो अकड़ता है वह मुर्दे के समान खाली हाथ रहता है। विनय से लघुता, लघुता से प्रभुता और प्रभुता से परमात्मा की प्राप्ति संभव है। इस मौके पर विभिन्न दादा गुरुदेव की तस्वीरों पर माला चढ़ाने व वासक्षेप पूजा करने का लाभ संगीताबेन मिलनभाई सेठ परिवार, आचार्यश्री प्रभाकरसूरीजी का अक्षत से वधामणा करने का लाभ कंचनदेवी प्रेमचंद बम्बोरी परिवार ने लिया।

संसार में गुरु का पद सबसे ऊंचा होता है: संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा के मौके पर गुरुवार को लोकेश मुनि जी ने कहा कि गुरु की महिमा अपरम्पार है। हमने भगवान एवं देवताओं को नहीं देखा है पर इस धरा पर गुरु के माध्यम से ही हम प्रभु तक पहुंच सकते हैं। गुरु के बिना हम अधूरे हैं। गुरु ही हमें सद्मार्ग एवं सच्चा मार्ग दिखाते हैं। ज्ञानमुनि जी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु की महिमा का दिन है। सब कुछ गुरु ही हमें बताते हैं। जैन दर्शन में देव, गुरु व धर्म तीन तत्व पर प्रकाश डाला गया है। गुरु ही हमें सच्चा रास्ता दिखाते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मुनिश्री ने मैनासुन्दरी की कथा के माध्मय से बताया कि गुरु का पद सबसे ऊंचा होता है। भगवान रूठ जाए तो हम गुरु के पास जा सकते हैं परंतु अगर गुरु रूठ जाए तो हम कहां जाएं, इसलिए गुरु का हमें सदैव आदर सत्कार, मान सम्मान करना चाहिए और उनके बताए हुए सही रास्ते पर चलना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि संतश्री मरुधर केसरीजी कहते थे कि कुछ बातों में शांति रखनी चाहिए, उतावलेपन से नुकसान ही होता है और जब गुरु समझाते व प्रवचन सुनाते हैं तो शांति से सुनना चाहिए, समरसता से समझना चाहिए तभी हमारा कल्याण होगा। जो गुरु की निंदा व अपमान करता है उसका किसी भव में उद्धार नहीं होता। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने स्वागत किया। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

माता-पिता पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित शांतिनाथ हिन्दी हाईस्कूल एवं राजस्थान हिन्दी विद्यालय में गुरु पूर्णिमा के मौके पर 'माता पिता चरण पूजा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने अपने अभिभावकों की पाद पूजा की। इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ हुब्बल्ली मिडटाउन के सचिव विश्वनाथ अंगडकी, यूथ सर्विस निदेशक भूपेन्द्र साकरिया तथा रमेश बोहरा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

गुरु अनुसार चलने से हमारा जीवन सफल हो जाता है : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अपने विशेष प्रवचन में कहा कि आज तक हमने मोक्ष मंजिल पाने के लिए कितना प्रयास किया है इसके बारे में हमें चिंतन करना है। गुरु समर्पण और गुरु कृपा रूपी चाबी के बिना मोक्ष मंजिल प्राप्त करना आसान नहीं है। सद्गुरु हमें सन्मार्ग पर चलना सिखाते हैं। गुरु भी तीन प्रकार के होते हैं, कुगुरु, गुरु और सद्गुरु। यदि हमने अपने जीवन को कुगुरु को सौंप दिया है, तो हम गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं, जो कि पत्थर की नाव के जैसे होते हैं जो खुद भी डूबते हैं और हमें भी डुबा देंगे। दूसरे गुरु कागज की नाव के जैसे होते हैं जो सिर्फ स्वयं ही तैरते हैं लेकिन हमें नहीं तार सकते। तीसरे सद्गुरु लकड़ी की नाव की तरह होते हैं, जो खुद भी तैरते हैं और हमें भी तारते हैं, हमें ऐसे ही सद्गुरु की तलाश करनी है। हमें हमारे जीवन रूपी पेंसिल को गुरु चरणों में समर्पित करना चाहिए। गुरु के कहे अनुसार चलने से हमारा जीवन सफल हो जाता है। हमारा एक पारिवारिक गुरु होना चाहिए इसलिए जीवन में एक गुरु तो बनाना ही चाहिए, जब तक हम गुरु नहीं बनाएंगे तब तक हमारा जीवन व्यवस्थित शुरू नहीं होता है। गुरु के आने से ही हम अविरति से विरति में आते हैं और विरति में आने से ही हमारी आत्मा का कल्याण होता है।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की वर्ष 2025-27 की नवनिर्वाचित टीम ने अर्हम भवन में विराजित साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में शपथ ग्रहण किया। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गादिया ने नव निर्वाचित अध्यक्ष महिमा पटावरी को शपथ ग्रहण करवाई। तत्पश्चात अध्यक्षा महिमा पटावरी ने अपनी नवीन टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया, सुनीता पटावरी, मंत्री सरिता छाजेड़, सहमंत्री हंसा दुगड़, प्रचार प्रसार मंत्री अनीता जीरावला, संगठन मंत्री शिल्पा भंसाली सहित परामर्शिका सदस्याओं को शपथ दिलवाई। खुशी कोठारी को कन्या मंडल प्रभारी, खुशी मांडोत को संयोजिका व खुशी मांडोत को सह संयोजिका की शपथ दिलवाई। साध्वी संयमलता जी ने नव दायित्व प्राप्त टीम को गुरु इंगित के अनुरूप कार्य करने की सलाह दी। पूर्व महामंत्री वीणा बैद, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप के अध्यक्ष विकास बांठिया, मंडल की पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली, ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत, जितेंद्र घोषल, मनोहर बाबेल ने नवनियुक्त टीम को शुभकामनाएं दी। संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने किया तथा निवर्तमान उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया ने धन्यवाद दिया।

आचार्य भिक्षु के तप और त्याग का परिणाम है तेरापंथ धर्मसंघ : साध्वीश्री सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वी सोमयशाजी ने गुरु पूर्णिमा के मौके पर कहा कि गुरुपूर्णिमा के दिन तेरापंथ का सौभाग्य जगा, जिससे भीखणजी जैसे गुरु मिले। आज विश्व स्तर पर तेरापंथ संघ का जो विकास देख रहे हैं वह सब कुछ आचार्य भिक्षु के तप और त्याग के कारण है।

डॉ सरलयशजी ने कहा कि भारतीय संस्कृति का उद्भव ऋषि परंपरा से हुआ वैसे ही तेरापंथ धर्म संघ आचार्य भिक्षु के हिमालय संकल्प की अनुश्रुति है। भिक्षु ने सत्य को साधा और कंटीले मार्ग को राजमार्ग बना दिया। उन्होंने दृष्टांत के माध्यम से सत्य की महिमा बताई। मुख्य वक्ता उपासक महेन्द्र दक ने तेरापंथ के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी दी। महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया, उपाध्यक्ष नीतू बाबेल, निवर्तमान अध्यक्ष मीना दक ने भिक्षु अष्टकम से मंगल शुरुआत की। अनेक पदाधिकारियों ने गीत व कन्या मंडल व महिला मंडल ने नाटिका की प्रस्तुति दी। संचालन साध्वी ऋषिप्रभाजी ने किया।

गुरुपूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में मुनि मलयप्रभसागर जी व साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी के सान्निध्य में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा की सदस्याओं ने गुरु पूर्णिमा पर लाभार्थी प्रेमलता सञ्जनराज खटोड़ परिवार के सौजन्य से दादागुरुदेव की पूजा पढाई। इस मौके पर परिषद की अध्यक्ष आरती जैन, परमेश्वरी संखलेचा सहित महिला परिषद की अनेक सदस्याएं उपस्थित थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर मूरसवीर मठ के श्री गुरुसिद्ध राजयोगींद्र महास्वामीजी के दर्शन कर उनका दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करते हुए हुब्बल्ली के समाजसेवी विनोदकुमार पटवा, दत्तमूर्ति कुलकर्णी, डॉ. एस. एस. सांगोली, रेवन सिद्धप्पा अंगड़ी, भगत रेड्डी आदि।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com